# Medieval & Modern History

**History**

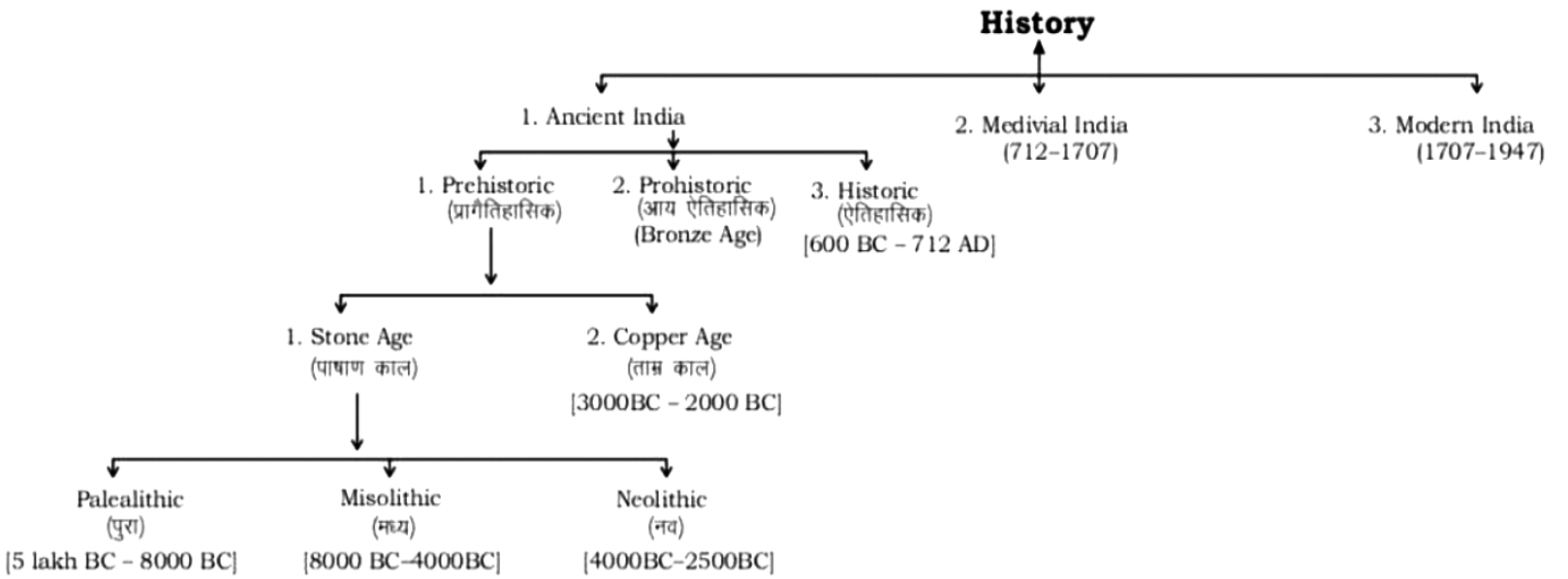

- 1. Ancient India
  - 1. Prehistoric (प्रागैतिहासिक)
    - 1. Stone Age (पाषाण काल)
      - Palealithic (पुरा) [5 lakh BC – 8000 BC]
      - Misolithic (मध्य) [8000 BC–4000BC]
      - Neolithic (नव) [4000BC–2500BC]
    - 2. Copper Age (ताम्र काल) [3000BC – 2000 BC]
  - 2. Prohistoric (आय ऐतिहासिक) (Bronze Age)
  - 3. Historic (ऐतिहासिक) [600 BC – 712 AD]
- 2. Medivial India (712–1707)
- 3. Modern India (1707–1947)

Prohistoric

1. Indus Valley Civilisation
2. Vedic Civilisation

**Islam**

Founder – Hazrat Mohammad Sahab

Birth – 570 A.D in Macca

Enlightment – 610 – Enlightment in Heera cave ($7^{th}$ century)

– 622 – AD He shifted Macca to Madhina

Macca to Madina

Journey Called Hizarat 622 – Hizri Samvat

Hazrat Moh. Sahab —Son-in-law→ Ali

Ali, AbuBaker – इन्हे खलीफा कहाँ जाता है ।

4. उत्तराधिकारी

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| Abu Baker | Umar | Usman | Ali |
| Suni (सुन्नी) | | | Shiya (शिया) |
| | | | Son – Hussain |
| | | | Moharram |
| | | | (हुसैन की मृत्यु पर) |

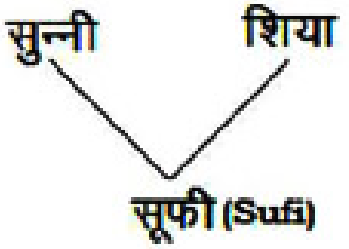

सुन्नी शिया

सूफी (Sufi)

## Medieval India (मध्यकालीन भारत)

**भारत में अरबो का आक्रमण**

1. मोहम्मद बिन कासिम (712 – 714)

- भारत पर आक्रमण करने वाला पहला मुस्लिम था। इसने सिंधु पर आक्रमण करके दाहिर (हिन्दु शासक) नामक शासक को हराया था।
- भारत में जजिया कर लगाने वाला पहला मुस्लिम थ।

  (कुल आय का $\frac{1}{2}$ से भाग $\frac{2}{3}$ तक)

  विकलांग, विधवा व ब्राह्मणों को नहीं देना होता था।
- इसने भारत में स्वर्ण सिक्के चलाये जिन्हे दिरहम (UAE) की सिक्के कहते है।

Books

1. **Charak Sanhita चरक संहिता**
2. **Panchtantna (पंचतंत्र)**
   **(कालिलालदिमना के नाम से)**

**अरेलियन ने इन दो पुस्तको का अनुवाद अरबी मे करवाया**

**तुर्क आक्रमण**

1. **Mohmood Gajnavi महमूद गजनवी (1000 – 1027)**

Central Asia → Ghazni (Present Afganistan) → Ghazni Dynesty —Founder→ Alaptgin —Slave→ Subuktigin ↓ Mehmood Ghaznavi 998

- (1000 –1027) तक में इसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया।
- 1st – पहला आक्रमण 1000 में पेशावर के शासक जयपाल पर किया।
  - 1001 A.D मे जयपाल को हराया।
  - 1006 A.D मे हिमाचल प्रदेश के Nagarkot Temple पर आक्रमण किया।
- 1008 A.D में आनन्द पाल जयपाल के बेटे को हराया।
- 1011-12 में इसने मथुरा और उज्जैन पर आक्रमण किया।
- 1014 Sthaneshwas (Chakrna Swami (Lord Krishna की मूर्ति को खंडित करवाया ) Mahadev मंदिर (हरियाणा) पर आक्रमण किया।

- इसने 16वाँ आक्रमण सोमनाथ मंदिर (गुजरात) पर किया। (1025 AD में) उस समय गुजरात का शासक भीम–प्रथम था जो चालुक्य वंश का था।
- 1027 इसने अपना आखिरी आक्रमण जाटो पर किया था।
- 1030 में इसकी मृत्यु हो गयी थी।
- सोमनाथ मंदिर को पहली बार पत्थरो से भीम प्रथम ने बनवाया था।
- वह सुल्तान और गाजी की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक था।

Writer–

1. Al Baruni – 1014 में भारत आया था।
   Book – Kitab-Ul-Hindi/ Tehqiq-E-Hind
2. Firdausi $\xrightarrow{\text{Book}}$ Shahnama
3. Utabi $\xrightarrow{\text{Book}}$ Chachnama (Persion language)
4. Vehaqi $\xrightarrow{\text{Book}}$ Tariq – E – Subukdin

## 2. Mohammad Ghori (मोहम्मद गौरी) – 1175-1206

- 1st आक्रमण मुल्तान के करमायी जाति के मुसलमानों पर आक्रमण किया।
- 1178 इसने गुजरात पर आक्रमण किया।

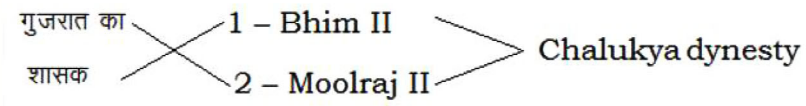


- 1178– में Moolrong-II ने Mohammad Ghari को Mount Abu (दिलवाड़ा का जैन मंदिर) में पराजित किया।
- 1179– में इसने Sindh और Kashmir पर आक्रमण किया।

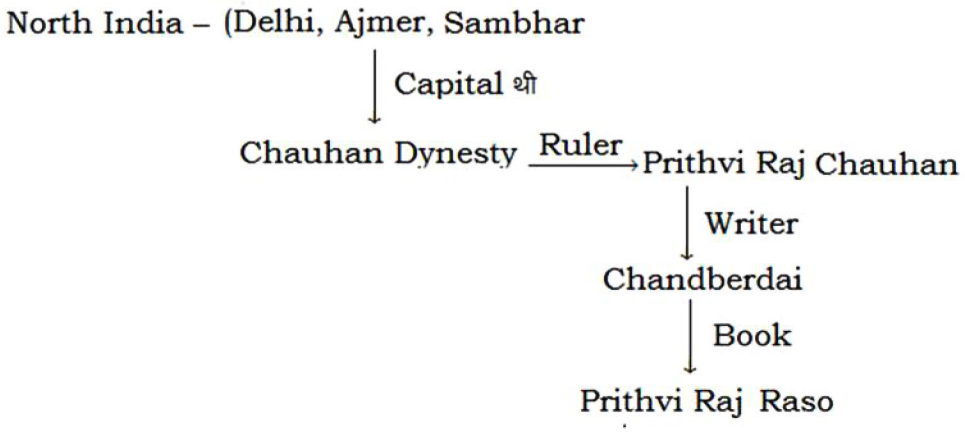


- 1191 –1st Battle of Tarain
- 1192 – 2nd Battle of Tarain
- 1193 – में Mohammad Ghari ने Delhi को अपनी राजधानी बनाया।

- 1192 – khwaja Moinuddin Chisti अजमेर में अपनी कुटिया बनाई।
- 1194 – Battle of Chandawar b/w Mohammad Ghori & Jaichand Mohammad Ghori defeated and killed Jaichand.

Mohammad Ghori $\xrightarrow{\text{Slave 1}}$ & $\xrightarrow{\text{Son–in–Law}}$ Qutubuddin Aibak (1)

$\xrightarrow{\text{Slave 2}}$ Yaldauj (2)

$\xrightarrow{\text{Slave 3}}$ Kubacha (3)

$\xrightarrow{\text{Slave 4}}$ Bakhtiyar Khilji (4)

↓

1204-04 में नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट करना। इसकी सीापना गुप्त वंश के शासक कुमार गुप्त ने 413 ई. में की थी। (Oldest University) of present India

- 1194 में कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद दिल्ली में
- अढ़ाई दिन का (मस्जिद) झोपड़ा अजमेर में ये दोनों मस्जिद Muhammad bin aibak ने बनवाया था।
- कुतुबुदीन ऐबक के गुरू – Qutubbdin Baktiyar Alkaki इन्हीं के नाम पर 1199 में कुतुबमीनार का निर्माण शुरू करवाया तथा इसको पूर्ण कराने वाला 1229 में इल्तुतमिश था।
- 1206 में मोहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद ऐबक को भारत का शासन मिला। तथा

  Yalduj को – Ghazni का शासन

  Kubacha को – काबुल और कंदहार

## Delhi Sultanate – दिल्ली सल्तनत (1206 – 1526)

### 1. Slave Dynasty – गुलाम वंश – 1206–1290

- **Qutubbudin Aibak (1206 – 10)**
- इसकी पहली राजधानी लाहौर थी।
- शासक बनने के बाद इसने अपनी जनता में लाखो रूपये का दान किया। इसलिए लाहौर की जनता ने इसे लाखम्बश की उपाधि दी।
- ऐबक का मतलब चन्द्रमा का देवता होता है।
- यह इतिहास का इकलौता शासक था जिसने कभी भी सिंहासन का इस्तेमाल नहीं किया।
- इसने अपने गुलाम इल्तुतमिश को बदायुँ का राज्यपाल नियुक्त किया।
- 1210 ई. में चौगान (Polo) खेलते समय घोड़े से गिरकर इसकी मृत्यु हुई।
- इसका मकबरा लाहौर में है।
- 1210– ई में इसका बेटा आरामशाह गद्दी पर बैठा।

- 1211 में इल्तुतमिलश ने आराशाह की मृत्यु की और गुलामवंश का अगला शासक बना।

**2. Illutamish इल्तुतमिश (1211 – 1236)**

- यह भारत का पहला सुल्तान था। क्योंकि इसे सुल्तान की उपाधि खलीजा से प्राप्त हुई थी। आखिरी सुल्तान इब्राहिम लोदी था।
- 1205 में Yaldaug ने Iltutamish पर आक्रमण किया और तराईन का तीसरा युद्ध लड़ा गया।
- इस युद्ध में Iltutamish ने Yaldauj को पराजित किया।
- 1221 में चंगेज खाँ (तैमूचिन – मंगोलिया) का आक्रमण हुआ।
- इसने चाँदी एवं तांबे के सिक्के चलवाया जिसमें चाँदी के सिक्के को टका तथा तांबे को जितल कहाँ जाता था। (Regular currency)
- इल्तुतमिश में Turkan-E-Chahalgani/Dal-Chalisa चलवाया।
- इसने इक्ता प्रथा – (युद्ध में जीते गये जमीनों को सैनिकों में बांट दिया जाता था।) की भी शुरूआत की थी। ↓

  प्राप्त – इस्तेदार कहलाते थे, तथा कर वसूलने को इम्तेदारी कहाँ जाता था।
- 1229 में इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार का निर्माण पूरा करवाया तथा इसने अपनी राजधानी को लाहौर से दिल्ली सीानांतरित किया।
- इल्तुतमिश ने अपना उत्तराधिकारी अपनी बेटी रजिया को घोषित किया।
- 1236 में इल्तुतमिश की मृत्यु हो गई।
- इसका मकबरा दिल्ली के कुतुबमीनार परिसर में है।
- 1236 में इल्तुतमिश की घोषणा के विरूद्ध जाकर इसका बड़ा बेटा – Rukudin Ferozshah सिंहासन पर बैठा।

**3. Rajia Sultan (1236 – 40)**

- यह दिल्ली की प्रथम और एकमात्र महिला शासक थी।
- इसने Aitgin एतगिन को → Badayun का इम्तेदार तथा

  Altuniya अल्तुनिया को → Bhatinda का इम्तेदार बनाया।
- Yakut khan → Amir-E-Aakhoor आमीर–ए–आखूर (शाही अस्तबल का मंत्री)

  ↓

  रजिया सुल्तान का प्रेमी

- 1240 में अल्तुनिया ने रजिया सुल्तान के खिलाफ विद्रोह किया।
- अल्तुनिया ने याकूत खान की हत्या की और रजिया सुल्तान को कैद कर लिया।
- इस विद्रोह के बाद 1240 में दल चालीसा (बहरामशाह) ने रजिया सुल्तान और अल्तुनिया की हत्या कैथल में की।
- रजिया सुल्तान का मकबरा हरियाणा के कैथल में है।

**4. Bahram Shah (1240 – 42)**

**5. Nasiruddin Mahmood (1246 – 1265)**

- इसने बलवंत को वजीर नियुक्त किया।
- और बलवंत को उलूम खाँ की उपाधि दिया।

**6. Gyasuddin Balban (1265 – 1287)**

- सुल्तान बनने के बाद बलबन ने "दल चालीसा" का अंत किया।
- बलबन ने दिल्ली में **"लौह एवं रक्त"** की नीति चलवाई।

  Note – Germany में लौह एवं रक्त की नीति Bismark ने चलाई थी।
- इसी ने सिज्दा पाइनेस प्रथा चलाई थी। औरंगजेब ने इसे खत्म किया।
- बलबन ने नवरौज त्योहार को मनाने की शुरूआत की। फारसी – (ईरान) नव वर्ष को ही नवरोज कहते हैं।
- इस लौहार को औरंगजेब द्वारा खत्म किया गया था।
- 1287 में मंगोलों का तीसरी बार आक्रमण हुआ और इस आक्रमण में बलबन का बेटा शहजादा मोहम्मद मारा गया।
- 1827 में बलबन अपने पुत्र की मृत्यु से दुखी होकर इसकी मृत्यु हो गयी।

**7. Quiqubad (1287 – 1290)**

- Malik Firoj ने कैकुबाद का विश्वास जीत कर Punjab का इक्तेदार बन गया।
- Malik Firoj ने 1290 में कैकबाद की हत्या कराकर कैसुर्स को गद्दी पर बैठाया।
- 1290 में कैसुर्स को Malik Firoz द्वारा गद्दी से हटाया गया।
- Malik Firoz ने खिलजी वंश की सीापना की। यह तुर्क का था।

**Khilji Dynesty – खिलजी वंश (1290 – 1320)**

**1. Jalaluddin Firoj Khilji – 1290 – 96**

- इसका वास्तविक नाम मलिक फिरोज था।
- 1293 में इसने Devgiri के शासक रामचन्द्र देव पर आक्रमण किया। यह दक्षिण में मुसलमानों का पहला आक्रमण था।
- Jalaluddin Firoj Khilji का भतीजा Alaluddin Khilji (अली गुरशास्य) Kara (Kaushambl-UP) का इक्तेदार था।
- 1296 में मंगोलों का चौथी बार आक्रमण हुआ।
- और इस अभियान पर जलालुद्दीन ने अलाउद्दीन को भेजा।
- अलाऊद्दीन ने इस आक्रमण में मंगोले को पराजित किया।
- मंगोल के 2000 सैनिक दिल्ली में ही रूक गये और जलालुद्दीन ने इसका धर्म मुस्लिम में बदलवा दिया। और दिल्ली में इनके रहने के लिए एक शहर मुगलपुर बसाया। यही नवीन मुस्लिम कहलाएँ।
- यह 2000 सैनिक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।
- 1296 में अलाउद्दीन ने जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कराई और दिल्ली का अगला सुल्तान बना।

**Albuddin Khilji** 1296 – 1316

- संस्कृत के जोधपुर अभिलेख में इसकी तुलना देवता से की गयी है।
- यह दिल्ली सल्तन में स्थाई सेना रखने वाला प्रथम सुल्तान था और इसी ने सेना को नकद वेतन देने की शुरूआत की थी।
- आमीर खुसरों – (Birth – Patiali, Kashgang, U.P) इसके दरबार को प्रसिद्ध कवि थे।
  – तोता–ए–हिन्द
  – Sitar और Tabla बनाया
  – खड़ी बोली
  – कव्वाली गयकी
  – इन्होंने Kashmir को धरती का स्वर्ग कहा (Paradise of Earth)

**Note:-**

1. Khajjair को भारत का Switzerland कहा जाता है।
2. Mahatma Gandhi के लिए भारत का Switzerland Kaushoni (U.K) है।

- अमीर खुसरो ने खमसा–ए–खुसरो नामक Book लिखी।
- इन्होंने बलबन के शासनकाल से ही अपने कवि जीवन की शुरूआत की।
- यह बलबन से लेकर मोहम्मद बिन तुगलक तक के शासनकाल में थे।
- इन्होंने अलाद्दीन खिलजी को सुल्तान–ए–जहान की उपाधि दी।
- यह निजाउद्दीन औलिया के शिष्य थे।
- 1298 में अलाउद्दीन खिलजी गुजरात अभियान पर गया।
- यह गुजरात से मलिक काफूर (किन्नर) को खरीद कर लाया।
- इसको 1000 में खरीदा गया इसलिए इसे 1000 दिनारी कहते है।
- मलीक काफूर इसका सेनापति था।
- 1303 में Allauddin Khilji Chittor Mission पर गया।
- पदमावत् उपन्यास में इसका वर्णन देखने को मिलता है।
  - पदमावत् उपन्यास – Malik Mohammad Jaysi (1540 – 1545) में लिखी थी।
  - शेरशाह सूरी के शासनकाल में लिखा था।
- 1306 में Allauddin Khilji ने अपना South India Mission की शुरूआत की।
- इस अभियान पर इससे Malik Kataar को भेजा।
- 1308 में Malik Katar ने Telangana के शासक Pratap Rudra dev (Kakatiya dynesty) पर आक्रमण किया।
- Malik Katar ने Pratap Rudra Dev से Kohinoor heera (diamond) प्राप्त किया।
- यह हीरा सबसे पहले अलाउद्दीन खिलजी को मिला था।
- यह हीरा गोलकुंज (हैदराबाद) से निकाला गया था।
- दक्षिण भारत तक साम्राज्य का विस्तार करने के बाद Allauddin Khilji ने Sikander-E-Sani (Alxender-2) की उपाधि धारण की।

- इसके बाद इसने जनता पर जजिया (Non-Muslim) और जकात (Muslim देते थे) लगाया।
- इसके अलावा भी इसने निम्न कर लगाये–
  1. House Tax – धरई
  2. Agriculture Tax – कृषि कर
  3. Eargation Tax – सिंचाई कर
  4. Animals feeding Tax – चरई कर
- इसने एक कर विभाग बनाया। जिसे Diwan-E-Moosat Kharaj' कहा जाता था।
- इसने Masahat System की शुरूआत की। भूमि नापने की प्रथा को Masahat System कहते थे।
- बाजारों में वस्तुओं का मूल्य निर्धारित करने वाला यह प्रथम सुल्तान था।
- इसने ही Huliya-Dog-System की शुरूआत की।
- इस प्रथा को शेरशाह सूरी ने भी अपनाया था।
- इसने दिल्ली में निम्न स्मारक बनवाये–
  1. अलाई मिनार
  2. अलाई दरवाजा
  3. शिरी का मिला
  4. हौज–खास
- 1316 में Allauddin Khilji की मृत्यु हुई थी। इसका मकबरा दिल्ली में है।

**Mubarak Shah Khilji 1316 – 1320**

- महिलाओं के कपड़े या बिना कपड़े गहने ही दरबार में आ जाया करता था।
- यह खुद को खलीफा घोषित करने वाला दिल्ली का एकमात्र शासक था।
- 1320 में गाजी मलिक ने इसे सिंहासन से हटाकर तुगलक वंश की स्थापना की।

**Tughlaq Dynesty – (1320 – 1414)**

**1. Giyassuddin Tughlaq (1320 – 1325)**

- इसी ने Delhi में तुलगलकाबाद नामक शहर की स्थापना की।
- सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाने वाला पहला शासक था।
- इसने 1323 में अपने बेटे Jauna Khan को Telengana Mission पर भेजा और इसने Telangana को Tughlaq राज्य में मिलाया और तेलंगाना का नाम बदलकर Sultapur रखा।
- हजरत–मिजामुद्दीन – (Mehboob-E-Ilani) औलिया नामक सूफी संत इसके दरबार में थे।
- 1325 में बुगारा खान (बंगाल का इस्तेदार) ने दिल्ली के सल्तनत के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
- 1325 में लकड़ी के महल में ग्यासुद्दीन तुगलक की हत्या कर दी गयी। इसका मकबरा दिल्ली के तुगलकाबाद में है।
- इसकी मृत्यु के बाद इसका बेथ जौन खान अगला शासक बना।

2. Mohammad Bin Tughlaq (1325 – 1351)

- वास्तविक नाम – जौना खान

- इसे पागल सुल्तान कहा जाता है।
- यह अरबी और फारसी भाषा का महान विद्वान था।
- इसके शासनकाल में 1330 ई. में दक्षिण अफ्रीका यात्री (मोरक्को का) इब्बनबतूता इसके दरबार में आया था।
- इसने इब्नबतूता को अपना फारसी नियुक्त किया।
- और इब्नबतूता ने रहेला नामक पुस्तक लिखी।
- रेहला के अनुसार कश्मीर, ब्लूचिस्तान व राजपूताना को छोड़कर सम्पूर्ण हिन्दुस्तान पर Mohammad bin Tughlaq का शासन था।
- दिल्ली सल्तनत में सबसे बड़ी वेतन प्राप्त सेना इसी की थी।
- इस पुस्तक में भारत और मोरक्को के बीच व्यापार का वर्णन है।
- रेहला में दुनिया का सबसे प्रसिद्ध व समृद्ध शहर दिल्ली को बताया है।
- सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करने वाला यह प्रथम सुल्तान था।

Note:- भारत में सती प्रथा की शुरूआत गुप्त काल में (319 – 540) हुई थी।

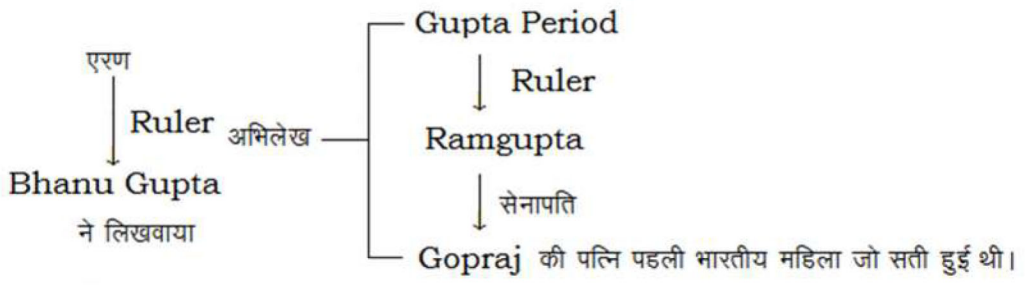


Note:- सती प्रथा पर Ban लगाने वाले शासक

I – Ferozshah Rughlaq

II – Akbar

III – Aurangzeb

- 1829 में भारत में सती प्रथा का पूर्णतया उक्त Lord William Bantik
- M.B.T के ही शासनकाल में सर्वाधिक विद्रोह हुए।

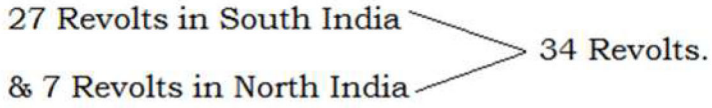


- Mangolo का 5th बार आक्रमण हुआ था।

**Failure Decision**

1. इसने अपनी राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद स्थानांतरित किया।
2. Khurasan अभियान की विफलता
3. दोआब क्षेत्र में कर वृद्धि (Agriculture Dep – Diwan – E – koni)

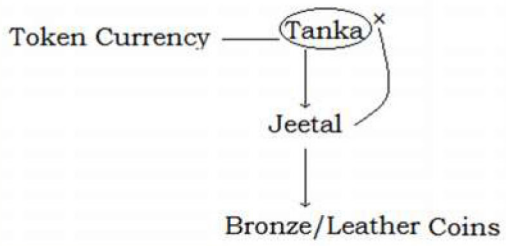


- कराचिल अभियान की विफलता।
- 1351 ई. में सिंध में विद्रोह के दौरान इसकी मृत्यु हो गयी।

### 3. Ferozshah Tughlaq (1351 – 1388)

- इसे दिल्ली सल्तनत का अकबर कहा जाता है।
- अपने शासनकाल में इसने 6 शहर बसाये।
    1. Hisar – (Feroza)
    2. Fatehabad – (Son-Fateh Khan) के नाम पर
    3. Ferozpur
    4. Ferozshah Kotla
    5. Ferozabad – (Glass city of India)
    6. Jaunpur Shiraj-E-Hind कहते है। (Jauna Khan (M.B.T बड़ा भाई के नाम पर)
- सिंचाई के लिए सबसे ज्यादा नहरे बनवाने वाला शासक था।
- इसने सिरसा में एक नहर का निर्माण करवाया और इसने वहाँ 1200 बाग बनबाये।
- इसके अशोक के Topra स्तंभ और Meerut स्तम्भ को दिल्ली स्थानांतरिक किया।
- इसने जगन्नाथ मंदिर को नष्ट करवाया और ज्वालामुखी मंदिर को लूटा था।
- इसके बाद इसने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगाया।
- 1369 में इसने कुतुबमीनार की $4^{th}$ और $5^{th}$ मंजिल का पुर्ननिर्माण करवाया था।
- जनता को आर्थिक मदद देने के लिए इसने एक विभाग बनवाया जिसे Diwan-E-Khairat तथा एक अस्पताल Dar-ul-Shifa का निर्माण करवाया था।
- सती प्रथा को प्रतिबंधित करने वाला प्रथम सुल्तान था।
- 1388 में इसकी मृत्यु हो गयी।
- तुगलक वंश का अंतिम शासक Narinuddin Mahmood – (1394 – 1414) था।
- 1398में दिल्ली सल्तनत पर तैमूर का आक्रमण हुआ।

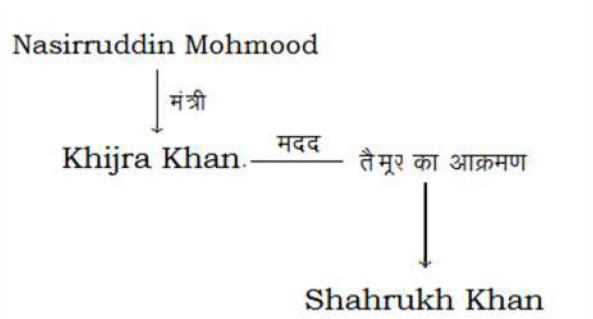


- Khijna Khan के द्वारा N. Mohmood को सिंहासन से हटाया गया जिसने भारत के प्रथम सिया वंश की स्थापना की।

**Sayyad Dynesty – सैयद वंश (1414 – 1451)**

- इस वंश की स्थापना Khijra Khan ने की थी। जिसने 1414 से 1429 तक शासन किया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक के बाद यह दिल्ली सल्तनत का एकमात्र शासक था जिसने सुल्तान की उपाधि नहीं ली थी।

**Mubarak Shah 1421 – 1434**

Wazir – Bahlol – Afgani

Title – Khan–E–Khana की उपाधि बहलोल को दी।

**Mohammad Shah (1434 – 1445)**

इसने Bahlol को अपना पुत्र घोषित किया।

- Allauddin Alam Shah (1445 – 1451)
- 1451 में Allauddin Alamshah ने अपना सिंहासन बहलोल को समर्पित किया।

ब्हलोल ने भारत में प्रथम अफगानी वंश की स्थापना की।

**Lodhi Dynesty (1451 – 1526)**

- लोदी वंश की स्थापना बहलोल लोदी ने की थी।

**Bahlol Lodhi (1451 – 1489)**

सुल्तान बनने के बाद इसने अपने नाम के बहलोली सिक्के चलवाये।

- इसने जौनपुर पर आक्रमण करके उसे लोदी वंश में मिलाया।
- इसका उत्तराधिकारी इसका पुत्र हुआ जो इस वंश का महान शासन हुआ।

**Sikander Lodhi (1489 – 1517)**

- 17-May-1498 Vasco De Gama का भारत में आगमन हुआ।
- 1504 में Sikander Lodhi ने आगरा शहर की स्थापना यमुना नदी के किनारे की। जिसे सिकन्दरबाद के नाम से जाना जाता था।
- इसने आगरा में बाबरगढ़ का किला बनवाया।
- 1506 में इसने राजधानी दिल्ली से आगरा स्थानांतरित किया।
- सिकन्दर लोधी एक कवि था। ये गुलरूखी नाम से कविताएँ लिखता था।
- इसने आयुर्वेद पर प्रसिद्ध पुस्तक Farhange Sikandri लिखी।

- इसने नापने की एक नई इकाई चलायी। जिसे Ghaz-E-Sikandar था। Sikandari Ghaz कहते थे।

  1 Sikandari Ghaz – 30 inches
- इसने भी कुतुबमीनार की मरम्मत करवाई।
- इसका उत्तराधिकार उसका पुत्र हुआ जो दिल्ली सल्तनत का आखिरी सुल्तान हुआ।

Ibrahim lodhi (1517 – 1526)

- 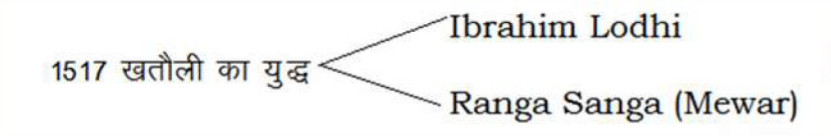


  इसमें Ranga Sanga ये Ibrahim Lodhi को पराजित किया।
- इसके चाचा – Daulat Khan Lodhi – Punjab के सूबेदार

  – Aalam Khan Lodhi – दिल्ली के सूबेदार
- 1519 में भारत पर बाबर का आक्रमण Bajaur (Sindh) – Bhergah fort में हुआ था।
- 1520 – 1521 तक 3 attacks किये Sindh और Kashmir पर।
- 21 अप्रैल, 1526 में पानीपत का प्रथम युद्ध लड़ा गया। बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच।
- जिसे बाबर ने इब्राहिम लोदी की हत्या करके मुगल वंश की स्थापना की।
- दिल्ली सल्तनत का एकमात्र सुल्तान जो युद्ध में लड़ते हुए मारा गया था।
- इसका मकबरा पानीपत में है।

**Mughal Dybesty (1526 – 1707 – 1857)**

Babur – 1526 – 1530

- बाबर का जन्म 14 फरवरी, 1483 में तुर्क के फरगना में हुआ था। इसके पिता का नाम Uman Sheikh Mirza जो तैमूर के परिवार से तथा इसकी माता Qutlugh Nigar Begham जो चंगेज खाँ के परिवार से।
- 1494 में मात्र 11 वर्ष की आयु अपने पिता की मृत्यु के बाद यह फरगना का शासक बना।
- और अगले 8 साल 1494–1502 तक तुर्की के Samarkand पर राज किया।
- बाबर और शैबायी खान के मध्य सर–ए–पुल का युद्ध लड़ा गया जिसमें बाबर को पराजय मिली।
- 1504 में काबुल और कंधार पर राज किया।
- 1507 में इसने बादशाह की उपाधि लिया।
- 1526 में पानीपत का प्रथम युद्ध लड़ा गया।
- इस युद्ध में इसने तुगलामा पद्धति युद्ध प्रणाली का इस्तेमाल किया।
- और इसने उस्मानी विधि से अपने तोपों को आगे सजाया था।

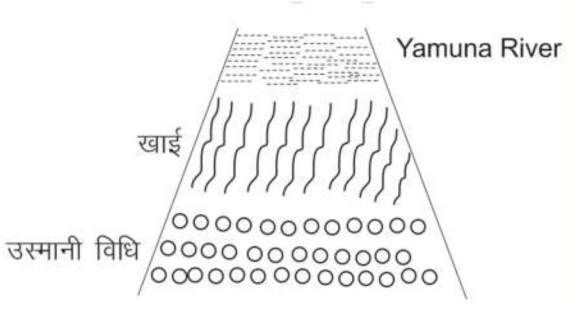


- इसके तोप चालक – Ustad Ali व Mustafa Khan थे।
- बाबर ने इब्राहिम लोदी की हत्या कर दी।
- Kabuli Bagh तथा Kabuli mosque का निर्माण पानीपत में किया।
- Kabul – Sharukh Coins व Kandhar – Babari coins में चाँदी के सिक्के चलवाये
- काबुल की जनता ने इसे कलंदर की उपाधि दी।
- मुगल वंश की पहली राजधानी आगरा थी।
- 1527 में खानवाँ का युद्ध

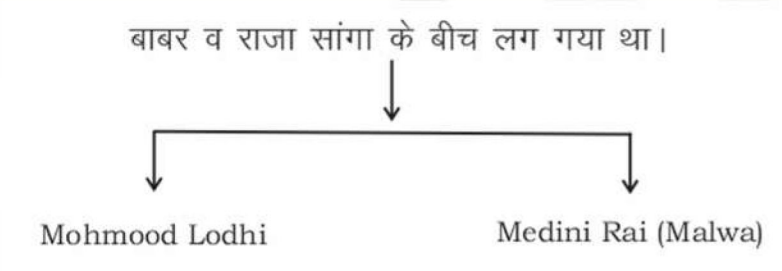


- खानवाँ के युद्ध के दौरान इसने जिहाद का जिक्र किया था।
- राणा सांगा को पराजित कर इसने गाजी की उपाधि ली।
- 1528 में चंदेरी का युद्ध बाबर व मेदिनी राय के बीच लड़ा गया था।
- मेदिनी राय की हत्या कर दी।
- चंदेरी के युद्ध के दौरान बाबर ने जौहर देखा था।
- 1527–28 में अयोध्या में बावरी मस्जिद का निर्माण करवाया।
- मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था।
- 1529 में घाघरा का युद्ध लड़ा गया।

  बबर और अफगानों के मध्य लड़ा गया था।
- 1530 में मात्र 47 साल की उम्र में इसकी मृत्यु हो गयी।
- पहले इसका मकबरा आगरा के आरामबाग में दफनाया गया तथा बाद में इसे काबुल में दफनाया गया।
-

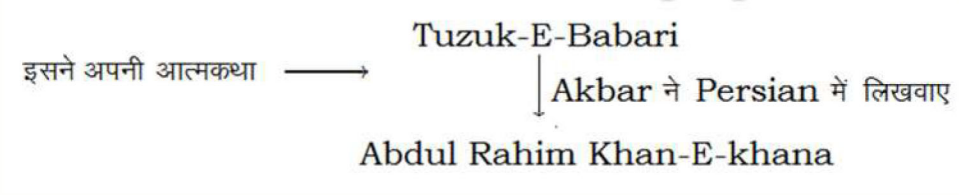

- बागवानी व ढोल नगरों का शौकिन था बाबर।

**Humayun (1530 – 40, 1555 – 56)**

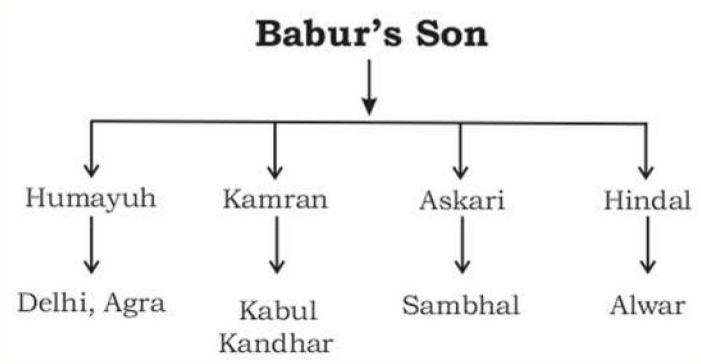




- हुमायूँ का जन्म 1508 ई. में काबुल में हुआ था।
  Mehmod Lodhi – Bangal – Brother of Ibrahim Lodhi
  Sher Khan – Bihar
  Bahadur Shah – Gujrat
- इसने पहला Attack कालिंजर के किले पर किया। उस समय यहाँ का शासक Pratap Rudra Dev था।
- इस युद्ध में दोहरिया का युद्ध हुमायूँ और महमूद लोदी के मध्य लड़ा गया।
- इस युद्ध में महमूद लोदी को पराजित कर उसकी हत्या कर दी।
- अब बिहार और बंगाल का शासक शेर खान बन गया। जो चुनारगढ़ (बिहार में) के किले में रहने लगा था।
- 1532 में हुमायूँ ने चुनारगढ़ पर आक्रमण किया।
- 1533 में हुमायूँ में बहादुर शाह को पराजित किया।
- 1538 में हुमायूँ ने दुबारा चुनारगढ़ पर आक्रमण किया।
- 1539 में चौसा का युद्ध हुमायूँ और शेरखान के मध्य लग गया। और इस युद्ध में शेरखान ने हुमायूँ को पराजित किया।
- Nizam नामक नाविक ने हुमायूँ की जान बचायी।
- चौसा का युद्ध जीतने के बाद शेरखान ने शेरशाह की उपाधि ली।
- एक दिन का बादशाह – निजाम (नाविक) को बनाया और इसी के सम्मान में चमड़े के सिक्के चलवाएँ।
- 1540 में – बिलग्राम या कन्नौज का युद्ध लग गया जो कि हुमायूँ को पराजित कर सूरी वंश की स्थापना की।
- 1541 में हुमायूं ने हमिदा बानो बेगम के साथ विवाह किया।

- इसके बाद हुमायूं राजस्थान के अमरकोट के राजा बिरसाल के पास गया।
- 15 अक्टूबर 1942 में राजस्थान के अमरकोट के राजा बिरसाल के महल में अकबर का जन्म हुआ था।
- अकबर के बचपन का नाम बदरूद्दीन था।

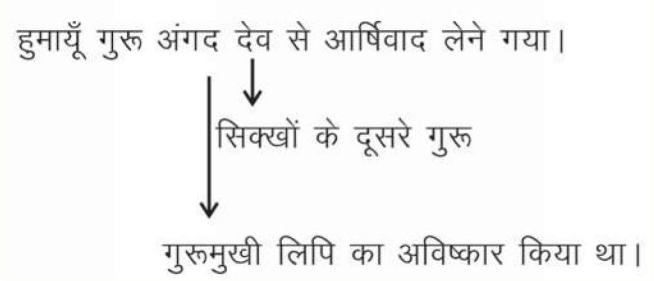


- 1545 में इसने अपने भाई कामरान की हत्या कर काबुल और कंधार पर अधिकार किया।
- काबुल में बैरमखान इसका सेनापति बना।
- 1554 – में पेशावर
- 1555 – में लाहौर पर अधिकर किया।
- 1555 में – मच्छीवाड़ा का युद्ध हुमायूँ व नसीबखान के मध्य लग गया। और नसीबखान को पराजित किया।
- 1555 – में सरहिन्द का युद्ध लड़ा गया। जो कि हुमायूँ और सिकन्दर सूरी के मध्य लड़ा गया।
- सिकन्दर सूरी को हराकर हुमायूं ने दोबारा मुगल वंश की स्थापना की थी।
- 1556 – दिल्ली में पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर इसकी मृत्यु हो गयी।
- दिल्ली में दिनपनाह नामक शहर बसाया था।
- हुमायूं का मकबरा दिल्ली में है।
- इसके मकबरे का निर्माण हाजी बेगम ने करवाया था।
- इसकी जीवनी का नाम हुमायूँनामा है जिसको गुलबदन बेगम (इसकी बहन) ने लिखा।
- अफीम का आदी था।

## Suri Dynasty सूरी वंश 1540 – 1555

- इसका संस्थापक शेरशाह सूरी था।

### Shershah Suri (1540 – 1545)

- इसका जन्म 1486 में पंजाब के होशियारपुर में हुआ था।
- इसके बचपन का नाम फरीद था।
- इसके पिता हसन खाँ जौधपुर के जमींदार थे।
- इसकी प्रारंभिक शिक्षा जौनपुर के जमींदार थे।
- शिक्षा पूर्ण करने के बाद फरीद बहारखान लोहानी – बिहार का शासक का अंगरक्षक बना।
- बहारखान लोहानी ने इसे शेरखान की उपाधि दी।
- बहारखान लोहानी की मृत्यु के बाद इसने इसकी विधवा से निकाह कर बिहार पर राज्य करना शुरू किया।

- इसी ने भारत की सबसे प्रसिद्ध सड़क शेरशाह सूरी मार्ग का निर्माण करवाया।
  – सोनार गाँव से – पेशावर तक
  – 1700 सराय का निर्माण बस सड़क पर करवाया।
  – कोसमीनार का निर्माण करवाया (हर 2 मील पर)
  – वर्तमान में अमृतसर से कोलकाता तक है। (GT Road)
- इसके द्वारा चलवाये गये सिक्के को रूपया कहा जाता था जो चाँदी के थे और ताँबे के सिक्के चलवाये जिन्हें – दाम कहा जाता है।
  (India, Pakistan, Nepal, Srilanka, Maunitious, Indonesia, Maldvies, Schelles)
- इसी ने ही अपने शासनकाल में डाक सेवाओ का प्रचलन करवाया।
  (डाक विभाग की शुरूआत – डलहौजी)
- इसने हुलिया दाग प्रथा को भी अपनाया था।
- इसी के शासनकाल में मलिक मौहम्मद जायसी ने पदवावत् उपन्यास लिखा।
- 1545 में – कालिंजर अभियान पर उम्मा अस्त (तोप का गोला) चलाने के कारण इसकी मृत्यु हो गयी।
- इसका मकबरा बिहार के सासाराय में है जो उसने खुद बनवाया।
- **इसके तीन उत्तराधिकारी हुए–**
  1. इस्लाम शाह सूरी
  2. आदिल शाह सूरी
  3. सिकन्दर सूरी
- आदिलशाह सूरी का प्रधानमंत्री हेमू था।
- दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम हिंदु शासक हेमू था।

**Akbar – अकबर – (1556 – 1605)**

- इसका जन्म 15 अक्टूबर, 1542 को राजस्थान के अमरकोट में हुआ।
- हुमायूँ की मृत्यु की समय अकबर व बैरमरवान दोनों पंजाब के गुरदास पुर (कालानौर) मिशन पर थे।
- हुमायूं की मृत्यु के पश्चात् हेमू ने दिल्ली पर आक्रमण करके मुगल सिंहासन पर अधिकार किया।
- इसने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की और दिल्ली का शासक हेमचन्द्र विक्रमादित्य के नाम से बना।
- बैरमखान ने कालानौर में ही 13 वर्ष की उम्र में अकबर का राज्याभिषेक करवाया।
- और यह जलालुद्दीन मोहम्मद के नाम से मुगल साम्राज्य का अगला शासक बना।

**Note:–** टेमू – 14वाँ शासक था जिसने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

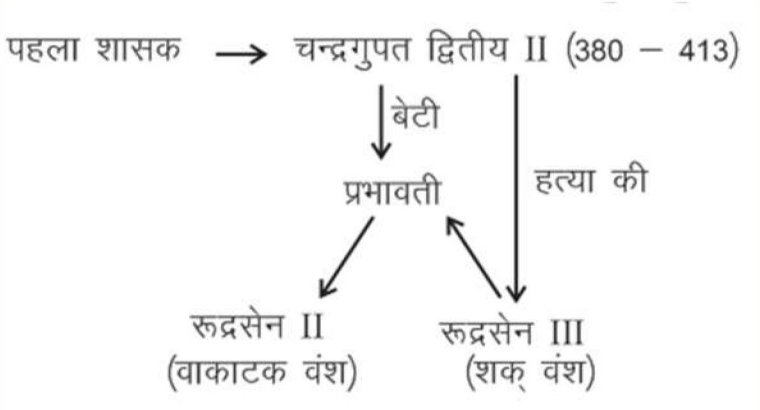


- 5 नवम्बर, 1556 को पानीपत का द्वितीय युद्ध लड़ा गया जो अकबर – (बैरमखान सेना का संचालन कर रहा था।) व हेमु के मध्य लड़ा गया था।
- 1556 से 1560 तक अकबर बैरमखान के संरक्षण में शासन किया।

1560 में तिलवाड़ा का युद्ध अकबर व बैरमखान के मध्य लड़ा गया।

बेटा

Abdul – Rahim Khane – Khana

- 1560 – 1562 – माहम अंगा
  – इसे परदा शासन व पेटीकोट सरकार भी कहा गया।
- 1561 में अकबर ने अपना पहला आक्रमण मालवा के शासक बाज बहादुर पर किया।
- 1561 में राजस्थान के शासक भारमल की बेटी हरक्का बाई से विवाह किया। जो Mariyyam-Uz-Zamani के नाम से प्रसिद्ध थी।
- 1562 में – इसने दास प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।
- 1563 में – इसने सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।
- 1564 में – इसने जजिया और तीर्थयात्रा कर समाप्त किया।
- इन बातों से खुश होकर इसकी जनता ने इसे अकबर की उपाधि दी।
- अकबर शेख सलीम चिश्ती – (सूफी संत थे – फतेहपुर सिकरी में रहते थे) का अनुयायी था।
- 1569 में – अकबर के पुत्र का जन्म हुआ। जिसका नाम सलीम था।
- 1572 में – अकबर अपने गुजरात अभियान पर गया और गुजरात को मुगल साम्राज्य में मिलाया।
- गुजरात अभियान के दौरान इसने सबसे पहले समुद्र देखा और पुर्तगालियों से इसकी पहली बार मुलाकात हुई थी।
- 1573 – में गुजरात विजय के उपलसा में बुलंद दरवाजा का निर्माण करवाया (फतेहपुर सिकरी में)

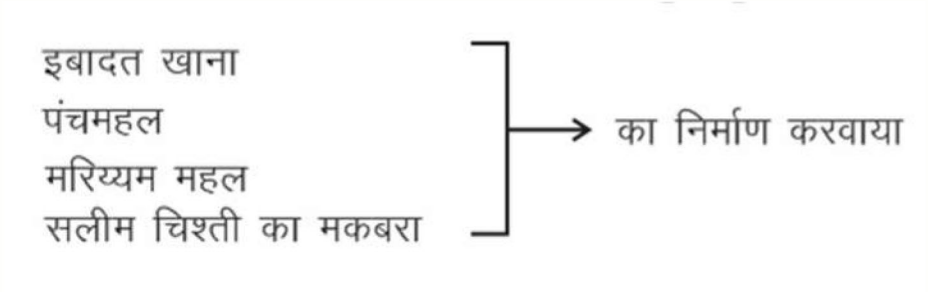


- इसने अपनी राजधानी आवरा से फतेहपुर सिकरी स्थानांतरित की।

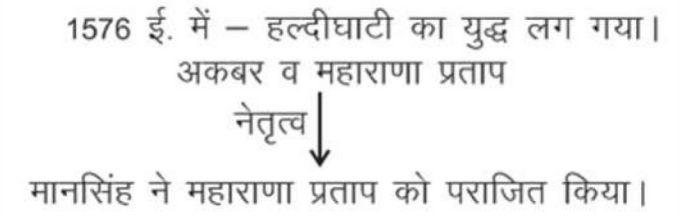


- 1577 में अकबर ने 500 वीघा जमीन अपने दोस्त गुरू रामदास को दी। और उसी भूमि पर गुरू रामदास ने अमृतसर शहर बसाया।
- 1582 में अकबर ने दीन–ए–इलाही नामक धर्म की स्थापना की।

- इस धर्म को अपनाने वाला एकमात्र हिंदु बीरबल था जिसका वास्तविक नाम महेश दास था।
- 1583 में – Ilahi Samvat

  Ilahi Coins – Ram Sita type coins

  1-Ilahi Ghaz – 31 Inches

  प्रयाग का नाम बदलकर कर दिया।
- Agra fort, Allahabad fort and Lahore fort का निर्माण करवाया।
- अकबर के काल को साहित्य का स्वर्ण काल कहा जाता है।
- फारसी भाषा इसी के शासनकाल से भारत की अधिकारिक भाषा बनी।

  (1833 में – English बनी)

  (26-Jan-1965 – हिन्दी हमादी राज्यभाषा बनी)
- 1598 में अकबर के पुत्र सलीम ने उसके खिलाफ विद्रोह किया और अपने आप को इलाहाबाद का स्वतंत्र शासक घोषित किया।
- सलीम ने 1602 में अबुल फजल की हत्या कर दी।
- इससे गुस्से में आकर अकबर ने सलीम के बेटे खुसरों को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।
- 1599 में पहला ब्रिटिश जॉन मिल्डेनहाल भारत आया। अकबर के Count में पहले Ralph Finch आया।

31-Dec-1600– East India Company

British Crown – Queen Elizabeth Taylar I

- 1605 ई. में अकबर की मृत्यु अतिसार रोग के कारण हुई थी।
- इसका मकबरा आगरा के सिकन्दरबाद में है।
- इसको दफनाया भी तथा जलाया भी गया है।
- इसकी जीवनी अकबर नामा या Ain-E-Akbari जिसको अबुल फजल ने सात सालों में लिखा गया है।
- दरबार में नवरत्न रखने वाला भारत का पहला शासक चंद्रगुप्त द्वितीय था।

**अकबर के नवरत्न**

1. बीरबल – महेश दास – मुल्य सलाहकार
2. तानसेन – रामतनु पाण्डे – राज गायक
3. मानसिंह – सेनापति
4. येडरमल – वित्त मंत्री – पहले शेरशाह सूरी का था।
5. अबुल फजल
6. अब्दुल रहीम – खासे–ए–खाना
7. फैजी
8. मुल्ला–दो–ख्वाजा
9. फकीर अजीउद्दीन

**जहाँगीर – (1605–1627)**

- जहाँगीर का जन्म 1569 में फतेहपुर सिकरी में हुआ था।
- इसके बचपन का नाम सलीम था।
- इसका सलाहकार – Abdul Rahim khan-e-khana था।
- 1585 में सलीम ने भगवान दास की पुत्री मान बार्र से विवाह किया।
- सलीम और मानबाई का पुत्र – खुसरो था।
- 1588 में जगत गोसाई – जोधा बाई से विवाह हुआ और 1592 में पुत्र खुर्रम का जन्म हुआ।
- जनवरी– 1611 में जहाँगीर ने मेहरूनिसा से विवाह किया।

$$1611 \rightarrow \text{Mehrunisha} \xrightarrow{\text{husband}} \text{Ali Quli Beg}$$

- जहाँगीर ने मेहरूनिसा को Noorjahan (Light of World) की उपाधि दी।
- Mehroonish – यह मुगल साम्राज्य की सबसे बड़ी प्रशासिका थी।

$$\text{Noorjahan} \xrightarrow{\text{Father}} \text{Agra}$$

$$\downarrow$$

$$\text{Buit by} - \text{Noorjahan}$$

$$\text{Noorjahan} \xrightarrow{\text{Mother}} \text{Asmat Begum}$$

- Asmat Begum ने ही गुलाब की पत्तियों से इत्र बनाने का आविष्कार किया था।

**1606 में खुसरो का विद्रोह**

- इस विद्रोह में खुसरो की मदद गुरू आर्जुन देव (सिक्खें के 5th गुरू) ने की।
- जहाँगीर ने अर्जुन देव की हत्या करवा दी और अपने ही पुत्र खुसरो को अंधा करवा दिया।
- गुरू अर्जुन देव ने ही 1589 में स्वर्ण मंदिर (नींव– मियाँ मीर) का निर्माण शुरू करवाया था।

↓

1. (अकाल तख्त की स्थापना की)
2. गुरू ग्राम साहित्य की रचना भी की।

1608 – जहाँगीर के दरबार में आने वाला पहला ब्रिटिश नागरिक Captain William Howkins था।
– जहाँगीर ने इसे Captain Khan की उपाधि दी थी।

1611 – पहली अस्थायी कारखाना Musalipattanam में था।

1613 – पहली स्थायी कारखाना सूरत में।

1615 – दूसरा ब्रिटिश नागरिक Sin Thomas Roe

- जहाँगीर अपने न्याय की जंजीर के लिए प्रसिद्ध था और इसने 12 घोषणा करवाई थी। जिन्हें Ain-e-Jahangiri कहा जाता था।
- तम्बाकू पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला मुगल शासक था।
- 1617 में जहाँगीर ने अपने बेटे सुर्रम को अहमदनगर अभियान पर भेजा और खुर्रम ने अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलया और इसी उल्लंघन में जहाँगीर ने खुर्रन को शाहजहाँ की उपाधि दी।
- जहाँगीर के काल में चित्रकला का स्वर्गकाल कहा जाता है।
- जहाँगीर का सबसे प्रसिद्ध चित्रकार Ustad Mohsoor Khan था।
- 1627 में जहाँगीर की मृत्यु लाहौर में हुई और इसका मकबरा लाहौर के शहदरा में है।
- इसने अपनी आत्मकथा Tujuk-e-Jahangiri लिखी थी। (तुर्की में)
- 1627 में – Dewar Baksh खुसरो का बेटा मुगल सिंहासन पर बैठा।
- इतिहास में बलि का बकरा Dewar Baksh को कहा जाता है।

**Shahjahan 1627 – 1658**

- शाहजहाँ का जन्म 1592 ई. में लाहौर में हुआ था।
- इसके बचपन का नाम खुर्रम था।
- शाहजहाँ के काल को स्थापत्य कला का स्वर्ण काल कहाँ जाता है।
- 1612 में शाहजहाँ ने Arjumand Bano Begum (Mumtaz Mahal) से विवाह किया।
- 4 son of Shahjahan and 3 daughters

| | |
|---|---|
| 1. Dara Sikoh | 1. Jahan Ara |
| 2. Aurangzeb | 2. Roshan Ara |
| 3. Shahsuja | 3. Gauhan Ara |
| 4. Murad Baksh | |

- 1631 में 14वें बच्चे (Murad Baksh) को जन्म देते समय मुमताज महल की मृत्यु हुई था।

- 1631 में Taj Mahal का निर्माण आगरा के यमुना नदी के किनारे शुरू किया।
- राजस्थान के मकराना से सफेद संगमरमर मंगवाएं थे।
- मुख्य स्थापत्यकार – Ustad Ahmad Lahori
- प्रधान मिस्त्री – Ustad Isa
- ताजमहल का निर्माण पित्रा दुरा (परशियन कला) द्वारा किया गया है।
- सफेद संगमरमर का इस्तेमाल सबसे पहले हुमायूँ का मकबरे में किया गया था।
- पित्रा दुरा कला का इस्तेमाल पहले इत्मादुदौला के मकबरे में किया गया था।
- 1636 में – शाहजहाँ अपने दक्कन अभियान पर गया और इसी अभियान के दौरान शाहजहाँ ने मिर जुमला नामक व्यक्ति से इसे कोहिनूर हीरा प्राप्त हुआ था।
- 1638 में शाहजहाँ ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित किया।
- 1638 में दिल्ली के यमुना नदी के किनारे शाहजहाँनाबाद (पुरानी दिल्ली) नामक शहर बसाया।
- 1638 में दिल्ली के लाल किले का निर्माण शुरू करवाया जिसकी दो इमारते –

  Diwan-e-Aam बहुत ही प्रसिद्ध थे।

  (दरबार) – Diwan-e-khas
- दिलली की जामा मस्जिद इमारतों का निर्माण भी करवाया था।

  दिल्ली गेट

  कश्मीरी गेट

  अजमेरी गेट

  लाहौर गेट
- दिल्ली, आगरा, काबुल तथा कंधार का सूबेदार दादा शिकोह था।
- 1657 में शाहजहाँ ने अपना उत्तराधिकारी दार शिकोह को घोषित किया।

**<u>उत्तराधिकार के युद्ध</u>**

- 1st – 1658 में वाराणसी के पास बहादुर का युद्ध शाहजहाँ और मुगल सिंह सेना के मध्य
  इस युद्ध में मुगल सेना (Jaswant Singh, Suleman Shikeh) ने शाहजहाँ को पराजित किया।
- 2nd 1658 में मध्यप्रदेश के धरमत का युद्ध लड़ा गया। औरंगजेब, मुराद बक्श तथा मुगल सेना के साथ लड़ा गया। (Jaswant Singh, Kasim Khan) मुगल सेना पराजित हुई।
- 3rd 1658 में सामूगढ़ का युद्ध औरंगजेब, मुराद बक्श व दाराशिकोह।
- 1658 में आगरा के किले पर आक्रमण पर शाहजहाँ को केद कर दिया।
- 1658 में आगरा में ही अपना पहला राज्यभिषेक करवाया।
- 4th 1659 में खंजवा का युद्ध (इलाहाबाद के नजदीक) शाहशुजा व औरंगजेब के मध्य शाहशुजा को पराजित कर उसकी हत्या कर दी।
- 5th 1659 में देवराई का युद्ध औरंगजेब व दारा शिकोह को हराकर कैद कर लिया।
- 1659 में दिल्ली के लाल किले में अपना दूसरा राज्याभिषेक करवाया था।
- शाहजहाँ के साथ उसके अंतिम समय में जहाँआरा उसके साथ थी।

- 1666 में शाहजहाँ की मृत्यु आगर के किले में हुई थी।
- इसकी जीवनी शाहजहानामा थी जिसको इनायत खान के द्वारा लिखा गया था।

**औरंगजेब आलमगीर (1658 – 1707)**

- इसका जन्म 1618 में उज्जैन के दोहद नामक जगह पर हुआ।

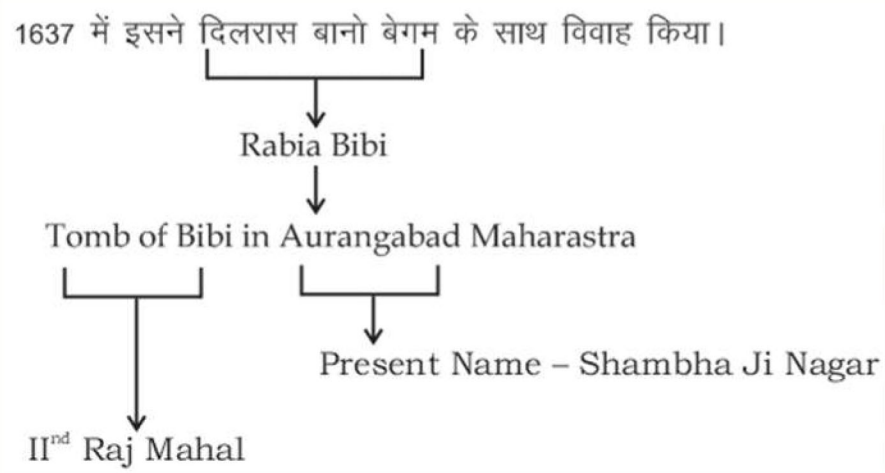


- मुगल बादशाह बनने के बाद औरंगजेब ने सिक्को पर कमल छपवाने पर प्रतिबंध लगवाया।
- इसने तम्बाकू और शराब के सेवन पर और जुआ खेलने पर भी प्रतिबंध लगवाया।
- इसने दास प्रथा और सती प्रथा भी प्रतिबंधित की।
- 1664 में पुनः तीर्थ यात्रा कर लगाया। (100 साल पहले अकबर ने बंद किया था)
- 1665 में औरंगजेब ने जयसिंह को शिवाजी पर आक्रमण करने को भेजा।
- 1665 में पुरंदर की संधि हुई जय सिंह व शिवाजी के मध्य
- 1668 में औरंगजेब ने सभी हिंदु त्यौहार प्रतिबंधित किये।
- 1669 में इसने तीन प्रसिद्ध हिन्दु मंदिर नष्ट करवाये।
  1. सोमनाथ मंदिर गुजरात
  2. काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी
  3. केशवराय मंदिर मथुरा
- 1675 में औरंगजेब ने सिक्खों के 9वें गुरू तेगबहादुर की हत्या करवाई।

  Guru Tegh Bahadur _____ ससिगंज गुरूद्वारा

  ज्हाँ अंतिम संस्कार हुआ _____ रकाबंगज गुरूद्वारा
- 1979 में औरंगजेब ने पुनः जजिया कर लगाया। (अकबर ने बंद करवाया था।)
- 1681 में अकबर का विद्रोह (औरंगजेब का बड़ा बेटा अकबर था।)

  अकबर की मदद शिवाजी के बेटे शम्भाजी ने की थी।

  यह 8 साल तक सम्भाजी के पास रहा।
- 1682 में औरंगजेब ने अपना दक्षिण भारत अभियान शुरू किया।
- इस अभियान को औरंगजेब की कब्र कहा जाता है।

- 1686 में बीजापुर तथा 1687 में गोलुकण्डा को मुगल साम्राज्य में मिलाया।
- मुगल साम्राज्य में सूबो की संख्या 19 से बढ़कर 21 हो गई।
- 1689 में औरंगजेब ने शम्भाजी पर आक्रमण कर उनकी हत्या की।
- और औरंगजेब ने शम्भाजी की पत्नी येसुबाई और उसके पुत्र शाहू को अपने कैद में कर लिया।
- औरंगजेब की अनुपस्थित में उसका वजीर खान (लगभग 31 साल तक वजीर या) ने दिल्ली का शासन संभाला।
- इसी के शासनकाल में हिंदुओं मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक थी।
- 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु महाराष्ट्र के अहमदनगर में हुई। इसकी कब्र दौलताबाद में है।
- इसकी जीवनी का नाम आलमगीर नामा था। जिसको qazim Shiraji ने लिखा था।

## Modern India

### मुगलों का पतन (1707 to 1857)

- 1707 में जजाओ का युद्ध

  इस युद्ध में Muazzam ने Aazam और Kambaksh की हत्या करके Muazzam भारत का अगला मुगल बादशाह बना।

### बहादुर शाह–I/ शाह आलम–I (1707-1712)

- यह 65 वर्ष की उम्र में भारत का मुगल बादशाह बना।
- इसे ही बूढ़ा बादशाह के नाम से जाना जाता है।
- इसे शाहे बेखबर के नाम से जाना जाता था।
- 1707 में शाहू मुगलों की कैद से आजाद हुआ। और यही मराठो का अगला शासक बना।
- 1712 में बंदा बहादुर के खिलाफ एक अभियान के दौरान बहादुर शाह की मृत्यु हो गई।

### जहांदरशाह (1712 – 1713)

- इसने जयसिंह को सवाई और मिर्जा की उपाधि दी थी।
- इसने अजीत सिंह को महाराजा की उपाधि दी।
- जहांदरशाह को ही लम्पर मूर्ख शासक कहा जाता है।
- सैय्यद बंधु

  1. Abdulla Khan, 2. Hussain Ali Khan
- 1713 में सैय्यद बंधुओं ने जहांदरशाह की हत्या की और Farukhshiyan को नया मुगल बादशाह घोषित किया।

### Farukhshiyan – 1713 – 1719

- Abdula Khan को _____ Wazin
- 1713 में बंगाल प्रान्त मुगलो से अलग हो गया।
  - बंगाल प्रान्त की ही सूबेदार अपने आप को बंगाल का नवाब घोषित किया।

  1 Nawab – Murshid Quli Khan
- अवध प्रांत का सूबेदार अपने आप को अवध का नवाब घोषित किया।

1 Nawab _____ Saadat Ali Khan

- 1716 में Farukhshiyan ने बंदा बहादुर की हत्या करवाई।
- 1717 में इसने अंग्रेजों को स्वर्णिम फरमान किया।
  (कर मुफ्त व्यापार बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में)
- स्वर्णिम फरमान को ही अंग्रेजों का Magna Carta कहा जाता है।
- 1719 में दिल्ली की संधि
  सैय्यद बंधुओं और मराठो के प्रथम प्रेरता बालाजी विश्वनाथ के मध्य
- 1719 में सैय्यद बंधुओं ने बालाजी विश्वनाथ की मदद से Farukhshiyar की हत्या करवा दी।

**Rati-Ud-Danjat (Shahjahan-II)**

- 2 महीने के ही शासनकाल में टी.वी की बीमारी से इसकी मृत्यु हो गयी।

**Rati-Ud-Daula**

- आविस्तार से इसकी मृत्यु हो गई। चार माह का शासनकाल था।

**Mohammad Shah (1719-1748)**

- 1719 में इसने सैय्यद बंधुओं की हत्या निजाम–उल–मुल्क की मदद से करवाई।
- भारतीय इतिहास में सैय्यद बंधुओं को King maker के नाम से जाना जाता है।
- Nizam-Ul-Mulk को हैदराबाद का सूबेदार बनाया।
- हैदराबाद का सबसे पहला Nizam – Nizam-Ul-Mulk बना।
- Mohammad Shah को Rangeela Badshah कहा जाता है।
- 1739 में नादिरशाह का आक्रमण (इसे ईरान का नेपोलियन कहा जाता था) सेनापति – अहमद शाह अब्दाली
- 1739 में करनाल का युद्ध। इस युद्ध में नादिरशाह ने मुगल सेना को पराजित किया।
- यह आखिरी मुगल शासक जो मयूर सिहांसन पर बैठा था।
- जजिया कर भी समाप्त हो गया।
- Mohammad Shah की मृत्यु – 1748 में हुई।

**Ahmad Shah (1748 – 1754)**

- 1748 में अब्दाली का पहला आक्रमण हुआ। (ईरान का शासक)
- 1748 में अहमद शाह–अहमद शाह युद्ध पंजाब में
  – इस युद्ध में अहमद शाह अब्दाली की पराजय हुई।
- 1754 में इसकी मृत्यु हो गई।

**Aalamgir-II (1754 – 1759)**

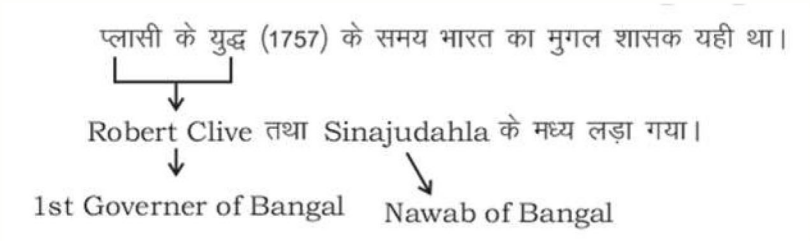


- Robert Clive ने Sirajudaula को पराजित किया।
  $1^{1/2}$ hour में यह युद्ध खत्म हो गया।

**Shahalam-I (1759 – 1806)**

- 14 जनवरी, 1761 में पानीपत का तीसरा युद्ध अहमद शाह अब्दाली व मराठो के मध्य
- इस युद्ध में अब्दाली की विजय हुई।
  मराठाओ का पेश्वर – Balaji Baji Rao – (Nana Sahab)
  मराठाओ का सेनापति – Sada Shiv Rao Bhau

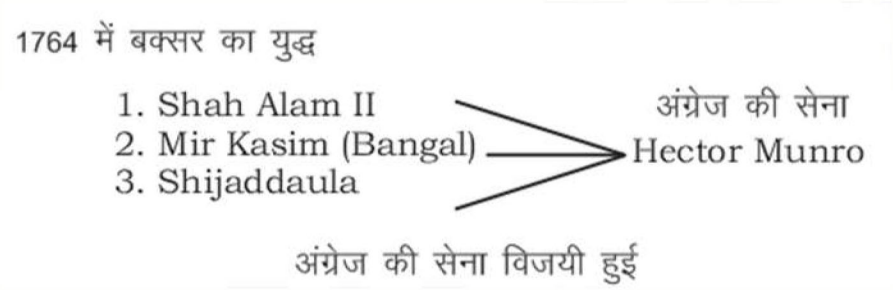


- 1803 में अंग्रेजो ने दिल्ली पर अधिकार किया और उन्होंने मुगलों को पेशनकारी बनाया।

**Akbar-II (1806 to 1837)**

- यह अंग्रेजों द्वारा नियुक्त किया जाने वाला भारत का पहला मुगल बादशाह था।
- 1830 में इसने राजा राम मोहन राय को "राजा" की उपाधि दी थी।
- 1837 में इसकी मृत्यु हो गई।

**Bahadur Shah – II (Zafar) 1837 – 1857**

- यह भारत का अंतिम मुगल बादशाह था।
- यह भारत का प्रसिद्ध शायर था।
- यह जफर के नाम से प्रसिद्ध था।
- यह 1857 की क्रांति का नेता था।
- 1857 में इसको अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और इसे रंगून (वर्मा के) भेज दिया गया।
- 1862 में इसकी मृत्यु रंगून में हुई थी।

**1857 का विद्रोह**

- भारत का पहला सैनिक विद्रोह – 1806 के तमिलनाडु के वेल्लोर में हुआ था।
- 1857 के विद्रोह का Symbol – कमल का फूल और रोटी था।
- 1857 के विद्रोह की रणनीति

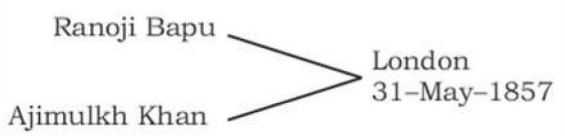


उस समय Britain का P.M. – Pamsturn

भारत का Governor General – Lord Canning

British Crown – Queen Victoria

Mughal Empror – Bahadur Shah Zafar

British Army Chief _____ George Anison _____ Robert Campbell

Books – 1857 – Written by – S.N. Sen

2. The Indian war of Independence – V.D. Savarkar

3. The sepoy mutiniti & the Rebellion of 1857 R.C. Majumdar

4. Poverty & Unbritish Rule in India – Dada Bhai Nairoji

**<u>राजनैतिक कारण **Lord Dalhausi (1848 – 1856)**</u>**

- 1848 इसने महाराजा दलीप सिंह पर आक्रमण करके पंजाब पर अधिकार किया। और इसने दलीप सिंह को अंग्रेजो का पेंशनकारी बनाया।
- 1849 में – दलीप सिंह के हाथो कोहिनूर हीरे को महारानी विक्टोरिया को Gift में दिलवाया।
- इसके बाद Dalhausi ने भारत में 'Doctrine of Lapse' हड़प की नीति चलाई थी।

S → Satara

S → Sambhapur

B → Baghat

U → Udaipur

J → Jhansi

N → Nagpur

A → Awadh

K → Karauli → पहले हड़प्पा गया और बाद में छोड़ दिया।

1856 – अवध का नवाब Wajid Ali Shah था।

लखनऊ से विद्रोह Wajid Ali Shah की Wife Begum Hazra Mahal ने किया था।

Wajid Ali Shah के बेटे Binjis Qadir को अवध का आखिरी नवाब बनाया गया।

**<u>समाजिक कारण</u>**

1856 – में Dalhausi ने एक विधेयक पेश किया जिसको "विधवा पुर्नविवाह विधेयक" कहा जाात था।

ईश्वर चन्द विद्यासागर इस विधेयक को Support कर रहे थे।

**धार्मिक कारण**

1813 – भारत में ईसाई मिशिनरीयों का आगमन हुआ। Ranoji Bapu और Ajimullah Khan ने London में रणनीति बनाई जिसमें विद्रोह की शुरूआत 31 मई, 1857 करनी थी।

**विद्रोह का तत्कालीक कारण**

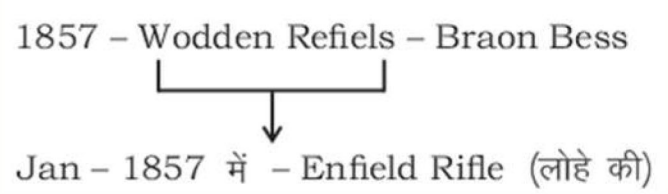


- इस विद्रोह की पहली घटना – 29 मार्च, 1857 को बंगाल की बैरकपुर छावनी के 34th Native Ifentry का सैनिक मंगल पांडे ने कारतूस के इस्तेमाल से मना किया। मंगल पांडे ने Lt. Baugh की हत्या कर दी।

  8 अप्रैल, 1857 – में मंगल पांडे की फाँसी दी गई।

**मेरठ में**

24 अप्रैल, 1857 को मेरठ कैण्ट के 99 सिपाहियों ने इन कारतूसो के इस्तेमाल करने से मना कर दिया। ये 3rd- Native Infantry के थे।

इनमें से 85 सैनिक को उम्रकैद की सजा दी गई।

10 मई, 1857 की शाम को मेरठ के सारे सैनिक इकट्ठे हुए जिनका नेतृत्व कदम सिंह कर रहा था।

11 मई, 1857 को ये सैनिक दिल्ली के लाल किला पहुँचे और बहादुर शाह जफर को Inform किया।

12 मई, 1857 को बहादुर शाह जफर को हुमायूँ के मकबरे से गिरफ्तार किया गया।

By – Lt. Nicolson

– Lt. Hudson

19 सितम्बर, 1857 – को इसे वर्मा के रंगून भेज दिया।

| | Place | Revolt by | Controlled by |
|---|---|---|---|
| 1. | मेरठ | कदम सिंह | Campbell |
| 2. | दिल्ली | बहादुर शाह जफर | Lt. Nicolson |
| | | बक्स खान | Lt. Hudson |
| 3. | Ambala | Rao Tulanam | Lt. Nicolson<br>Lt. Hudson |
| 4. | Mathura | Devi Singh | Campbell |
| 5. | Kanpur | Nana Sahab (Dhondhu point)<br>Tatya Tope (Ram Chandra Pandunang) | Campbell |
| 6. | Jhansi | Rani Laxmi Bai | Cap. Huroze |
| 7. | Lucknow | Begum Hazarat Mahel | Compbell |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | Allahabad | Liyaquat Ali | Col. Nel |
| 9. | Faizabad | moulvi Abdulla | Gen. Renard |
| 10. | Gorakhpur | Gojodhar Singh | Gen. Renard |
| 11. | Jagdishpur | Kunwar Singh | Campbell |
| 12. | Bareily | Khan Bahadur | Vincent Aayer |

**अंतिम घटना**

18 अप्रैल 1858 तात्या टोपे को फाँसी दी गई।

↓

यही से भारत में British Crown का शासन शुरू हुआ।

पहला वायसराय – लार्ड कैनिन

**मराठा और पेशवा**

Shivaji 1627 – 1680

- मराठा साम्राज्य की स्थापना शिवाजी ने की थी।
- शिवाजी का जन्म 1627 में पूना के शिवनेर दुर्ग में हुआ।
- इनके पिता का नाम Shahji Bhosle तथा माता का नाम Jija Bai था।
- इनके आध्यात्मिक गुरू – रामदास थे।
- इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने दास कौणदेव से प्राप्त की।
- 1657 में इन्होंने मुगलों पर अपना पहला आक्रमण किया।
- उस समय औरंगजेब अहमदनगर का सूबेदार था।
- इस आक्रमण में औरंगजेब ने शिवाजी को पराजित किया।
- इसके बाद शिवाजी ने मुगलों के 23 किलो पर आक्रमण कर उन पर आक्रमण किया।
- 1664 में शिवाजी ने सूरत की पहली लूट की।
- 1665 में औरंगजेब का सेनापति Jai Singh को शिवाजी पर आक्रमण करने भेजा।

**पुरंदर की संधि**

- इस संधि के बाद Jai Singh ने Shivaji और उनके बेटे Shombha Ji को Aurangzeb के दरबार में पेश किया। लेकिन Aurangzeb ने Shivaji को कैद कर Agra के Jaipur Bhawan में रखा।
- Shivaji, Aurangzeb की कैद में 2 साल तक थे।
- 1670 – में – शिवाजी ने सूरत की दूसरी लूट की।
- 1674 – में शिवाजी का राज्याभिषेक रायगढ़ के किले में गंगा भट्ट नामक पंडित से करवाया।
- इसने दो उपाधियाँ धारण की–
  1. छत्रपति महाराज
  2. हिन्दु बादशाह

- 1678 में – शिवाजी ने एक नौ सेना की स्थापना की। जिसका मुख्यालय कोलाबा (Mumbai) में था। इसके नौसेना अध्यक्ष को – दरियासारंग कहा जाता था।
- 1680 में – कर्नाटक (बीजापुर) अभियान के दौरान शिवाजी की मृत्यु हुई।

शिवाजी के अष्ठ प्रधान

1. Peshwa पेशा – P.M.
2. Amatya – राजस्व मंत्री
3. Sumant – विदेश मंत्री
4. San-E-Naubat – सेनापति
5. Vakianavis – सूचना मंत्री
6. Surunavis – पत्राचार मंत्री
7. Pandit Rao – धार्मिक कार्यों का मंत्री
8. Nyayadhish – विधि मंत्री

- इसका उत्तराधिकारी इसका पुत्र शम्भाजी हुआ।

**Shambha Ji – (1680 – 1689)**

- 1681 में शम्भाजी ने औरंगजेब के खिलाफ विद्रोह में अकबर की मदद की थी।
- 1689 में औरंगजेब ने शम्भाजी पर आक्रमण करके उसकी हत्या कर दी और उनकी पत्नी Yesubai और पुत्र Shahu जी को गिरफ्तार कर लिया।

**Raja Ram (1689 – 1700)**

- औरंगजेब ने Raja Ram की हत्या करवा दी।
- इसके पुत्र Shivaji II (4 साल उम्र) को मराठो का अगला शासक नियुक्त किया।
- लेकिन शासन Raja Ram की पत्नि – ताराबाई ने किया।
- 1707 में मुगलों की कैद से साहू आजाद हुआ।

1707 में खेड़ा का युद्ध

Shahu और Tarabai के मध्य

- Shahu ने इस युद्ध में Tarabai को पराजित कर मराठो का अगला शासक बना।

**Shahu (1707 – 1749)**

- छत्रपति शाहू जी महाराज के नाम से।
- इसने अपनी राजधानी सवारा को बनाया।
- 1713 में मराठा साम्राज्य में पेश्वाई प्रथा की शुरूआत की।
- और अपना पहला पेश्वा बालाजी विश्वनाथ को नियुक्त किया।
- 1719 में – दिल्ली की संधि

  बलाजी विश्वनाथ ने Farukhshiyar को मरवाने में सैय्यद बंधुओं की मदद की।

**Baji Rao – I – (1720 – 1740)**

- यह मराठाओ का सबसे महान पेश्वा था।

- 1729 में पालखेड़ा का युद्ध

  – बाजीराव I व Nizam-Ul-Mlk (Hydrabad) के मध्य Baji Rao ने Nizam-Ul-Mulk को पराजित किया।

**Balaji-Baji Rao (Nana Sahab Peshwa) 1740 – 1761**

- इसके शासन काल में शाहू की मृत्यु हुई।
- 14 जनवरी, 1761 में पानीपत का तीसरा युद्ध
  - Ahmad Shah Abdali व Marathas
  - जिसमें Abdali ने Marathas को पराजित कर लगभग मराठाओ का अंत किया।
- मराठाओ का अंतिम पेश्वा – बाजीराव II (1796 – 1818) हुआ।

भारत में यूरोपियो का आगमन

**Portugees – पुर्तगाली**

17 मई, 1498 – Vasco-De Gama भारत में आने वाला पहला पुर्तगाली था। (90 days)
केरल के कालीकट बंदरगाह पहुंचा।
Ship Name – Sao Gobriel
Welcomed by – Jamarin

- 1498 – portugeese East India Company की स्थापना हुई।
- 1499 – में भारत में काली मिर्च ले गया।
  यह 60 गुना दाम में यूरोप में बेचा।
- 1502 – में यह दुबारा भारत आया।
- 1503 – में पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्ट्री कोचिन में लगाई
  – Empire Name in India – Estudo De India
- 1505 – 1509 तक पहला पुर्तगाली Governor फ्रांसिस्को–डी–अलमीड़ा।
- Almida ने अरबों पर आक्रमण करके उनके व्यापार पर अधिकार किया। जिसे अलमीड़ा की "नीली जल नीति (Blue Water Policy) " कहा गया।
- 1509 – 1515 – दूसरा Governor – Alfanso De Albukunk
- यह भारत में पुर्तगाली की साम्राज्य का वास्तविक स्थापना की थी।

**Note:-**

Alfanso Mango – Ratmagiri Maharastra

- 1509 में – Albukurk ने कोचिन को अपनी राजधानी बनाया।
- 1510 में – इसने बीजापुर के आदिल शाह पर आक्रमण किया और उसी से इसने गोवा प्राप्त किया।
- 1515 में – Albukurk की मृत्यु भारत में हुई।
- 1529 – 1538 तीसरा Governor – Nino De Kunha
- 1530 में – इसने अपनी राजधानी को कोचिन से गोवा स्थानांतरित किया।
- 1961 में Goa, Daman & Diu को पुर्तगालियो से खाजी करवाया।

- 1987 में – भारत का 25th राज्य बनाया गया।
- Art. – 371(I) के तहत Goa भारत का विशेष राज्य है।
- भारत में आलू लाने वाले पुर्तगाली थे।
- कृषि का वाणिज्यिक कृषि की शुरूआत की।
- भारत में तम्बाकू की खेती की शुरूआत
- लाल मिर्च लाने वाले पुर्तगाली थे।
- जहाज निर्माण की शुरूआत की।
- चर्च का कैथोलिक लाडल भी यही शुरू किए थे।
- Printing Press की शुरूआत की।

  1st Printing Press – 1557 – Goa में

**Dutch डच**

- 1596 – पहला Dutch – Carnaleous Hautman भारत आया था।
- 1602 ई. में – इन्होंने Dutch East India Company की स्थापना की।
- 1605 ई. में पहली factory – Musalipattanam में लगाई।
- भारत में स्वर्ण सिक्के चलवाये – Pegeda Coins.
- Dutch के भारत में दो उद्योग थे।

  1. Cotton Taxtile Industry (सूती वस्त्र उद्योग)
  2. Indigo Industry (नील उद्योग)
- 1759 – बेदरा का युद्ध

  B/w Briteshers & Dutches
  - इस युद्ध में Dutch को पराजित कर उनके व्यापर पर अधिकार कर लिया। और इसके बाद Dutch, Netherlands वापस लौट गये।

**Britishers अंग्रेज**

1599 – 1st – Britisher – John Moldenhal

Crown – Elizabeth I

Akbar's Court – Ralph Finch

Group – Merchant – Adventures

31 दिसम्बर 1600 East India Company in London.

- 1608 – Cap Willian Hawking (Representative of E.I.C)
- 1611 – Musalipattam में पहली factory
- 1613 – में सूरत में अपनी स्थायी factory की शुरूआत की।
- 1615 – Sir Thomas Roe – (Rapre of James 1 (King)
- 1662 – में

British Prince $\xrightarrow{\text{Charles}}$ $\xrightarrow{\text{Married}}$ Potugues Princess Catherine Brigenza

- पुर्तगालियों ने British को Bombay दहेज में दिया।
- Charles ने Bambey, E.I.C को 10 pounds per year पर दिया।
- 1717 – में अंग्रेजों ने मुगल बादशाह फर्रूखशियर से एक स्वर्णिम फरमान प्राप्त किया।

**Danish डेन**

- 1616 – Danish East India Company की स्थापना हुई।
- 1620 – में पहली Factory – Taracobar (Kerala) में स्थापित की थी।
- 1676 – में दूसरी Factory – Serampur Bengal में भारत में इनके दो व्यापार थे।
  1. चाय का व्यापार
  2. चीन के साथ व्यापर
- 1845 में इन्होंने अपना व्यापार अंग्रेजो को सौंप कर Denmark वापस लौट गये।

**French फ्रांसीसी**

- 1664 में भारत आने वाला पहला फ्रांसीसी Colbart था
  - यह फ्रांस के शासक Louis XIV का मंत्री था।
- 1664 – French East India Company की स्थापना की।
- 1668 – में पहली Factory Surat में स्थापित की।
- 1672 – में French Governer Fransis Martin ने शेरखान लोदी पर आक्रमण कर पुदुचेरी गाँव प्राप्त किया।
- 1674 में – फ्रेंच ने पुदेचरी को अपनी राजधानी बनाया।

बंगाल

Capital – Dhaka

1700 – Murshid Kuli Khan

- 1713 – में इसने खुद को बंगाल का स्वतंत्र घोषित किया। यह बंगाल का पहला व नवाब बना (1713–1727)

  Shifted his Capital – Murshidabad.

Shahjauddin – (1727 – 1739)

↓

Sarfraj Khan – (1739 – 1740)

- 1740 – घोरिया का युद्ध

  अली वर्दी खान – सरफराज खान

  इसमें अली वर्दी की विजय हुई।

**अली वर्दी खान – (1740 – 1756)**

↓

**Sirajudaula (1756 – 1757)**

- 20 जून, 1756 कलकत्ता के Ford William में घटित करना
  – Black Hole Tregedy shivalik1graphics@gmail.com

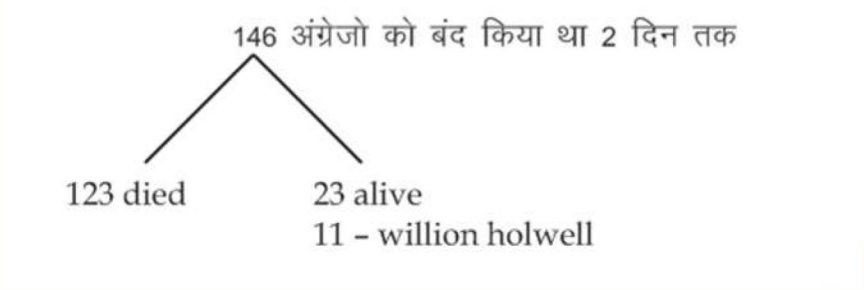


- 1757 – 1st Governor of Bengal – Robert clive
- 1757 – प्लासी का युद्ध
  Robert clive व Sirajuddaula
  Robert Clive ने Sirajuddaula को हराया।
  Commander-in-chief of Sirajuddaula – Mir Jafer
  Minister – Rai Durlabh
  Mir Jafer को बंगाल का अगला नवाब बना दिया।

**Mir Jafar (1757 – 1760)**

**Mir Kasim (1760 – 1763)**

- बक्सर का युद्ध – 1764

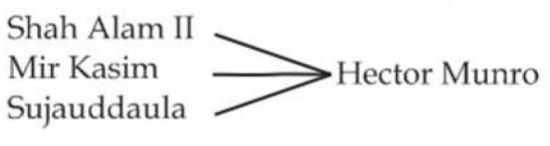


1765 में – इलाहाबाद की संधि

- Robert Clive व Shah Alam II और Sujauddaula के मध्य

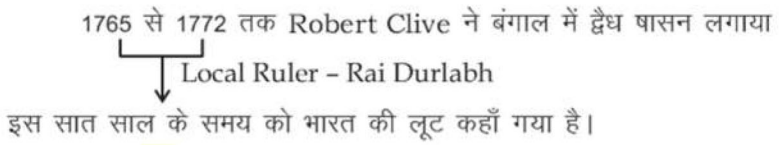


- 1767 में Robert Clive को Britain बुलाकर उस पर कुशासन का अरोप लगाया। इकलौता Governor जिसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी।

**Warren Hastings 1772**

- इसने बंगाल के द्वैध शासन का अंत किया।
- 1772 में इसने District Collector का पद बनाया।

## Constitutional Development of India

## भारत का संवैधानिक विकास

**1773 Regulating Act–**

- East India Company को 20 वर्ष का व्यापारिक अधिकार मिला।

East I.C. में 24 Bord of director नियुक्त किये गये
↓
कार्यकाल – 6 वर्ष

- Governor of Bengal became Governor General of Bengal.

Last G → first → GG → warren Hastings.
↓
Head of the Executive

- 1774 – कलकत्ता में SC की स्थापना की गई।

Chief Justice – Lord Eliza Impe

3 other Judges – Lord Hide, Lord Cham bus, Lamstus

Mir Kasim's – Ministers
↓
Nand Kumar
Chait Singh
Ghaseti Begum
→ 1784 में फाँसी दे दी गई।

**1784 Pits India Act**

- इसी अधिनियम के तहत E.I.C से व्यापार और प्रशासन को अलग अलग कर दिया गया।
- 1785 Warren Hastings इकलौता Governor जिस पर महाभियोग लगाया गया।

**1793 Charter Act**

- E.I.C के व्यापारिक अधिकार 20 वर्षों के लिए बढ़ाये गये।
- 1793 से ब्रिटिश अधिकारियों के वेतन भारत से ही दिये जाने लगे।
- 21 अप्रैल, 1793 – Indian Civil Service की शुरूआत हुई।

↓

This day is known as civil service day.

- 1793 में ही – Revenue Bond

Revenue Police की शुरूआत हुई।

**1813 – Charter Act**

- भारत में ईसाई मिशनरियों का आगमन हुआ।
- 1813 में भारतीय शिक्षा और उसकी संस्कृति के विकास के लिए हर साल 1 लाख रूपये मिलने गये।
- दो अधिकारियों को छोड़कर E.I.C के व्यापारिक अधिकार समाप्त किये।

1. चाय का अधिकार
2. चीन के साथ व्यापार

**1833 Charter Act**

- Governor General of Bengal became Governor General of India Lord William Bentinck
- 1833 English भारत की अधिकारिक भाषा बनी।
- 1833 E.I.C के सभी व्यापारिक अधिकार समाप्त कर दिये गये।

**1853 Charter Act**

- 6 BOD को निलंबित कर दिया गया और इनकी संख्या को घटाकर 18 कर दिया गया।
- 1853 में Civil Service के लिए लिखित परिक्षा की शुरूआत की गयी।

  1853 से 1923 तक – लंडन में हुई थी।

  पहले भारतीय – सुरेन्द्र नाथ बनर्जी

  पहले ICS Officer – सत्येन्द्र नाथ टैगोर
- 1858 Government of India Act
- Declaration Letter of queen victoria
- 1858 में E.I.C बंद कर दी गयी।
- सभी BOD को निलंबित कर दिया गया।
- Queen Victoria को भारत की सामग्री घोषित किया गया।

  Governor of India (Lord Canning) became – vice Roy of India
- Declaration Letter को Lord Canning ने 1 नवम्बर, 1858 में Minto Part – Allahabad में पढ़ा गया था।

**1861 Indian Council Act**

- 1860 में – 1st Indian Budget Present by James Wilson.

  Father of Income tax – Lord Canning.
- 1861 – Viceroy को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त हुई।
- 1861 से ही Indian Pannel Court लागू की गई।
- 1862 में Portfolio आयोग के तहत Lord canning ने भारत का विभागीकरण किया।

1885 में congress की स्थापना हुई।

U.S.N.

Indian National Congress – A.O. Hume
1st session – Bombey – 72 people
President – W.C. Baneerjee

**1892 – Indian Council Act**

- Word – Election – First time use in India.
- भारतीयो को Budget पर बहस करने का अधिकार मिला मगर Vote करने का अधिकार नहीं मिला।
- भारत में प्रान्तीय विधानसभाओं का गठन किया गया जिसने सदनों की संख्या 60 थी।
- 1905 – बंगाल का विभाजन – Lord Curson.

– Congress दो भागों में बँट गयी।

– नरमपंथी व गरम पंथी

- 1906 – Muslim Leegue – by – Aga khan
- 1907 – सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन

  नरमदल – व – गरम दल

**1909 – Marley – Minto Reforms Act**

- इस अधिनियम ने ही भारत का सर्वनाश कर दिया यह कथन गाँधीजी ने कहा था।

**1919 – Montegue – Chelmfond Reform Act**

- 1919–1935 – प्रांतों में द्वैध शासन लगाया गया।
- 1919 से British Officer की सैलरी दुबारा Britain से ही आने लगे।

**1938 Simon Commission**

- Member – 7
- इस आयोग का लहौर में विरोध किया गया।

  (Pt. Jawahar Lal Nehru)
- इसी विरोध के दौरान Lala Lajpat Rai की मृत्यु हुई।
- 1. Dr. B.R. Ambedkar ने Simmon Commission का स्वागत किया था।

  2. Unionist Pangt.

  3. mohhoob Saifi group
- 1928 – Lord Birkenhead – राज्य सचिव

  Congress President – Moti Lal-Nehru
- Moti Lal Nehru ने स्वराज की माँग की।
- 1928 – Nehru Report, (इसे भारतीय संविधान का blue print कहा जाता है।) Delhi में पेश की।

  M.L. Nehru ने ही भारत में लिखित मौलिक अधिकारो की माँग की थी।

- Mohammad Ali Jinah ने इस पर Sign नहीं किया था।
- M.L Nehru ने Dominion State की मांग की।
- Pt. Jawahar Lal Nehru ने पूर्ण स्वराज की माँग की।

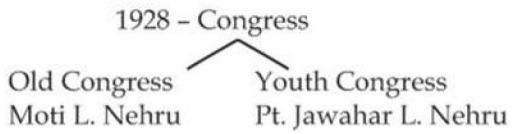


- 1931 में – कांग्रेस के कराची अधिवेशन में मौलिक अधिकारो की माँग को स्वीकार किया गया।
  – अध्यक्षता – बल्लभ भाई पटेल

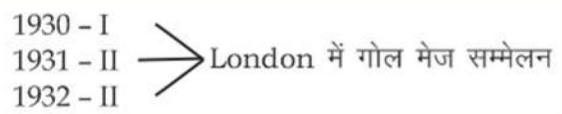


- 1931 – में गांधीजी ने दूसरे गोल मेज सम्मेलन में गांधीजी ने मौलिक अधिकार की माँग की।

## 1935 – Government of India Act

- हमारा 80% संविधान इसी अधिनियम से लिया गया।
- प्रांतों के द्वैध शासन का अंत किया गया।
- और केंद्र में द्वैध शासन की शुरूआत हुई।
- 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिवर्ज बैंक की स्थापना हुई।
- SC को कलकत्ता से दिल्ली Shift किया गया।
- जोकि 1937 से कार्यरत हुआ।
- 1937 में वर्मा को भारत से अलग किया गया।

## Constituent Assembly

- 1896 – Tilak जी ने मौखिक रूप में की थी।
- 1934 – M.N. Roy ने किया था।
- 1940 – अगस्त प्रस्ताव
  – जिसमें संविधान सभा की स्वीकृति थी।
  – भारत ने इसे अस्वीकार कर दिया।
- 1940 – व्यक्तिगत सत्याग्रह
  1 – Vinoba Bhave
  II – Pt. J. Lal. Nehru
- 1942 – Crips Mission
  – Post Dated Sheet – Sald by Gandhi Ji

**8 अगस्त, 1942 भारत छोड़ो आंदोलन**

24 अक्टूबर, 1945 – U.N.O का गठन किया गया।

- 1945 – Cabinet Mission Plan

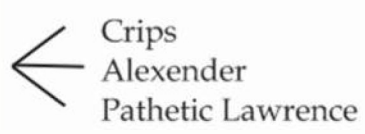


- 1 जुलाई – 1946 1st Election for Const. Assembly.

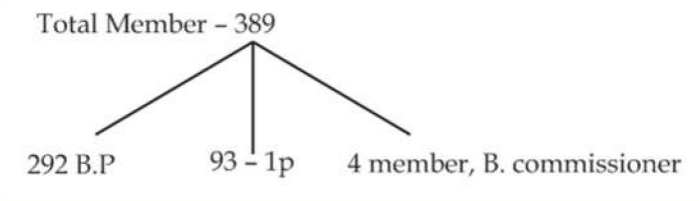


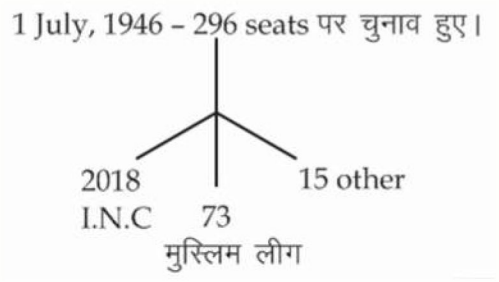


Viceroy – Lord Wavell

2 सितम्बर, 1946 को भारत की पहली अंतरिम सरकार बनी।

**भारत में अंतरिम सरकार का मंत्रिमण्डल**

P.M & foreign Minister _____ Pt. J.L. Nehru

Home Minister & Information & Broadcasting Mr. _____ Sardar Vallabh Bhai Patel.

Education Minister _____ Sri Raj Gopala Chari

Food and Agriculture minister _____ Dr. Rajendra Prasad

Defence Minister _____ Baldev Singh

Labour Minister _____ Jag Jivan Ram

Health Minister _____ Gojnaffer Ali Khan

Finance Minister _____ Liyaqat Ali Khan

Law Minister _____ Jogendra Nath Mandal

Industry Minister _____ John Mathai

Railway Minister _____ Aruna Asaf Ali

**भारतीय स्वतंत्रता की घोषणा**

20 फरवरी, 1947

P.M of Britain – Climent Eitley (30 June 1948) – June Plan

March 1947 – Lord mountbatten

4 July 1947 – 18 July, 1947

1947 Indian Independence Act.

Mountbatten Plan

Devide of India & Pakistan

14 Aug – 1947 _____ Pak

15 Aug – 1947 _____ India

संविधन सभा की अगली बैठक 29 अगस्त, 1947 से हुई।

29 अगस्त, 1947 _____ प्रारूप समिति

Chairman _____ Dr. B.R. Ambedkar

Other member–

D.P. Kaitan (Died) – T.T. Knishnamohaw

B.K. mitten (resign) – Madav Rao

K.M Manshi

Mohd. Sadullah

Gopal Swami Ayanger

Krishna Swami Ayyer.

- 2 year – 11 month – 8 days
- 166 days session

Rs. – 64 lakh

70 – Constitutions

26 Nov, 1949 – Constitution day (Law day)

↓

26 Jan, 1940 – Republic day.

## भारत में शिक्षा का विकास

- भारतीय शिक्षा का विकास 1813 ई. से 1813 चार्टर एक्ट के तहत शुरू हुआ जिसमें भारतीय शिक्षा और संस्कृति के लिए सालाना 1 लाख रूपये आवंटित किये गये।
- 1778 में भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन के लिए सर विलियम जॉज ने एशियाटिक सोसाइटी आयोग का गठन किया।
- फारसी और अरबी भाषा के लिए कलकत्ते में एक मदरसे की स्थापना warren Hastings ने कराई थी।
- 1800 ई. में लॉर्ड वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की।
- 1817 ई. में राजा राम मोहन राय ने कलकत्ता में हिंदु कालेज की स्थापना की।
- लेकिन माध्यिमिक शिक्षा के विकास के लिए सबसे पहले Lord William Bentic ने योगदान दिया।
- 1833 के चार्टर एक्ट के तहत इंगलिश को भारत की अधिकारिक भाषा बनाया गया।
- 1833 में William Bentic ने लोक शिक्षा समिति की स्थापना भारतीय शिक्षा में सुधार के लिए किया।

  Chairman – Lord Macally
- 1835 में Lord Macally ने अपनी रिपोर्ट पेश की जिसे मैकाले मिनट कहा जाता है।

- इसी रिपोर्ट के तहत इंगलिश को भारतीय शिक्षा के लिए अनिवार्य किया गया।

**Lord Dalhauise (1848 – 1556)**

- 1853 के चार्टर एक्ट तहत नागरिक सेवा के लिए लिखित परिक्षा की शुरूआत की गयी।
- 1854 में डलहौजी ने शिक्षा में सुधार के लिए एक आयोग का गठन किया जो कि Charles wood Dispatch के नाम से जाना जाता है।
- इस Dispatch को भारतीय शिक्षा का Magna Carta कहा जाता है।
- इसी आयोग के तहत 1857 में कलकत्ता, मद्रास और बंबई विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई।

**Lord Ripon (1880 – 1884)**

- 1882 में Lord Ripon ने Hunter आयोग का गठन किया।
- इसी आयोग के तहत भारतीय प्रारंभिक शिक्षा में सुधार किये गये।

**Lord Curzon (1899 – 1905)**

- 1902 में Lord Curzon ने Raylay आयोग की स्थापना की।
- इसी आयोग के तहत 1904 ई. में भारत में भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम लागू किया गया और Lord Curzon ने ही Public Service Commission का गठन किया। जिसमें इसने ICS की न्यूनतम आयु को बढ़ाकर 18 से 21 वर्ष किया।
- 1905 में इसने भारतीय प्रारंभिक सर्वेक्षण व कृषि विभाग की स्थापना की।

1917 **Sadler Commission (Lord Chelmsford)**

- इसी आयोग के तहत Sant. Central board for Secondary आयोग की स्थापना की गई।
- और हैदराबाद, मैसूर, पटना, बनारस और लखनऊ में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई।

**Development of News Papers in India**

- 1556–1567 – गोवा में
  1st Printing Press in India
- 1684 में – First British Press were Founded in Bombay
- 1780 – First Indian news Paper was published by james August Hikki which is know as 'Bengal Gazettc'.
- First English news paper published by an Indian was Bengal Gazettc.
  Founder – Gangadhar Bhattacharya.
- First Hindi News Paper of India was Published in 1826
  None – Udand Martond (Hindi) from – Kanpur
  Founder – Jugal Kishor
- 1821 – Raja Ram Mohan Raj was Published two newspaper in Person language.
  1 – Samwad Kaumudi
  2 – Mirat–Ul–Akhbar

- 1859 – Iswar Chand, Vidya Sagar Published a Bengali Newspaper named Son Prakash.

**Some Imp. and famous Newspaper of India**

| | Newspaper | Founder | Place |
|---|---|---|---|
| 1. | The Times of India | Robert knight | Bombay |
| 2. | The state man | Robert knight | Calcutta |
| 3. | Madras mate | Robert knigh | Madrash |
| 4. | The Pioneer | Robert Night | Allahabad |
| 5. | Amrit Bazar Patrika | Moti Lal Ghosh | Calcutta. |
| 6. | Bungvasi | Jogendra Nath Bosh | Calcutta |
| 7. | The Hindu | Veer Ragwachari | Madrash |
| 8. | Kesri & Maratha | Bal Gangadhar Tilak | Bombay |
| 9. | Bengali | Surendra Nath Benerjee | Calcutta |
| 10. | Young India | Mahatma Gandhi | Ahemdabad |
| 11. | Nav Jevan | Mahatma Gandhi | Ahemdabad |
| 12. | Harijan | Mahatma Gandhi | Pune |
| 13. | Independence | M.L. Nehru | Allahabad |
| 14. | Hindustan Times | K.M Panikkar | Delhi |
| 15. | The Tribuen | Sin Dayal Singh | Chandigarh |
| 16. | Al-Hilal<br>Al-Bilal | Mollana Abul Kalam<br>Azad | Calcutta |
| 17. | Hamdard | Mohd. Ali Jinha | Lahore |
| 18. | The Hindu Pathiot | Harish Chandra Mukherjee | Calcutta. |
| 19. | Gadar | Gadar Party | Sen fnansisco America. |

**Important Religious & Social Reforms in India**

| | Society | Place | Founder |
|---|---|---|---|
| 1. | आत्मीय सभा | बंगाल | राजाराम मोहन राय |
| 2. | ब्रह्म समाज | बंगाल | राजा राम मोहन राय |
| 3. | आदि ब्रह्म समाज | बंगाल | केशव चंद्र सेन |
| 4. | साधारण ब्रह्म समाज | बंगाल | विश्वनाथ शास्त्री |
| 5. | दक्षिण भारत का ब्रह्म समाज | मद्रास | श्री धरलू नायडू |
| 6. | तत्वबोधिनी सभा | बंगाल | देवेन्द्र नाथ टैगोर |
| 7. | प्रार्थना समाज | बम्बई | गोविंद रनाडे |
| 8. | आर्य समाज | बम्बई | दयानन्द सरस्वती |
| 9. | दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज | लाहौर | हंसराज व लाजपत राय |
| 10. | गुरूकुल | हरिद्वार | स्वामी दयानंद |
| 11. | राम कृष्ण मठ | कलकत्ता | स्वामी विवेकानन्द |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12. | सेन्द्रण हिन्दु कॉलेज | वाराणसी | एनी बेसेन्ट |
| 13. | मुस्लिम एंग्लो ओरिएण्टल कॉलेज | अलीगढ़ | सर सैय्यद अहमद खान |
| 14. | देवेन्द्र स्कूल | सहारनपुर | मो. कासिम |
| 15. | Nam Dhari Aandolan | Punjab | Ramsingh |
| 16. | Radha Swami Satsang | Agra | Devendra Nath Tagore |
| 17. | Scientific India Patriotic Society | Aligarh | Sayyed Ahmad Khan |
| 18. | Deenbandhu Sarvjanik Sabha | Bombay | Jyotiba fule |
| 19. | Vidhwa Ashram | Pune | D.K. Carve |
| 20. | Women Unit | Pune | D.K. Carve |
| 21. | Aatm Samman Aandolan | Madrash | Rama Swami Ayyer. |

**Governers/ Governer Generals/ ViceRoy**

**1. Robert Clive 1757–1760, 1765–1767**

- 1757 – Battle of Plassy
- 1765 – इलाहाबाद की संधि
- 1765 – बंगाल में द्वैध शासन
- इसने सरकारी कर्मचारियों पर उपहार लेने पर प्रतिबंध लगाया।
- यह एकमात्र Governer जिसने आत्महत्या की।
- 1767 – बंगाल में Society for trade की स्थापना की।
- 1764 – Battle of Buxer – Governer – Vencihart

**2. Warren Hastings (1772 – 1785)**

- Last Governer & First Governer General of Bengal.
- 1772 – द्वैध शासन का अंत
- 1772 – District Collector के पद की स्थापना
- 1773 – Regulating Act of 1773
- 1774 – Foundation of SC in Calcutta
- 1780 – Foundation of General Post Office in Calcutta.
- 1784 – Foundation of General post office in Calcutta.
- 1784 – Pits India Act
- 1785 – Inpeachment (अहभियोग)

**3. Lord Carnvalis 1786 – 1793**

- इसने बंगाल में 4–session count की स्थापना की।
- 1. Calcutta, 2. Patna, 3. Murshidabad, 4. Dhaka
- इसने भारत में स्थायी बंदोबस्त या जमींदारी व्यवस्था की शुरूआत/स्थापना की।
- इसे भारतीय नागरिक सेवा (ICS) का जनक कहा जाता है।
- 1805 – इसकी मृत्यु भारत में हुई।
  इसकी कब्र उ.प्र. के गाजीपुर में है।

**4. <u>Sir Johnsore 1793 – 1798</u>**

- Charter Act of 1793
- 1796 – Battle of Khurda
  B/w Britishers & Nizams

**5. <u>Lord Welleselly 1798 – 1805</u>**

- इसने भारतीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगाया।
- 1800 – Foundation of fort William college – Calcutta
- 1803 – अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करके मुगलों को अपना पेंशनकारी बनाया।

**6. <u>Sir George Barlo 1805 – 1807</u>**

- 1806 – First Army Revolt of India in Vellore Tamilnadu.

**7. <u>Lord Minto I 1807 – 1813</u>**

- 1809 – Treaty of Amritsar
  B/w Minto I & Ranjit Singh.

**8. <u>Lord Hastings 1813 – 1823</u>**

- Charter Act of 1813.
- He prohibited Indian Press to Press against British Emperor.
- In his period Sanyasi Revolt were happened in Bengal.

**9. <u>Lord William Bantick 1828 – 1835</u>**

- इसने भारत से तीन प्रथाएँ समाप्त की
  – 1829 – सती प्रथा
  – 1830 – ठगी प्रथा
  – 1833 – नर बली प्रथा
- इसने Divisional commissioner (मेडल आयुक्त) का पद बनाया।
- इसने आगरा प्रेसीडेंसी में SC की खण्डपीठ स्थापित की।
- 1833 – Charter – Act.
- बंगाल का अंतिम एवं भारत का प्रथम Governer General

**10. <u>Lord Charles Metcoff 1835 – 1836</u>**

- इसे Press का मुक्ति दाता कहा जाता है क्योंकि इसने भारतीय समाचार पत्रों से प्रतिबंध हटाया।

**11. Lord Dalhausie 1848 – 1857**

- भारत में Doctrine of Lapse (हड़प की नीति) चलाई।
- 1850 – First train of India started in Rurkiee which was basically a Goods train.
- 1852 – इसने Public Work Departments (लोक निर्माण विभाग की स्थापना की।)
  - इसने India Post Departments की स्थापना की।
  - इसने Telegram Service की शुरूआत।
  - इसने Posting Tickets (डाक टिकटो) की शुरूआत
- 16 अप्रैल, 1853 – He started first passenger train Bombay to Thane on a track of 34 km.
- He made Shimla the Summer capital of the Britishers.
- 1856 – इसने Widow Ramarriage Bill पेश किया।

**12. Lord Canning (1856 – 1862)**

- Last G.G. and 1st Vice Roy of India
- 1856 – widow Remarriage Act
- The Revolt of 1857.
- 1858 – Government of India Act.
- 1860 – First Indian Budget was Presented by James Wilson.
- 1861 – India High Court Act. As per this Act in 1862 3 High Court were established in Calcutta, Madras, Bombay.
- He is known as the father of classification of Indian departments

**13. Sir John Lawrence 1863 – 1869**

- He started the development of Indian Railways.
- इसने भारत में सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाया।
- In 1869 – He founded Videsh Sanchan Nigam Limited.

**14. Lord Mayo 1869 – 1872**

- In 1870 – He founded Mayo college in Ajmer.
- In 1872 – He conducted first Census of India.
- 1872 – He was killed in part Blair by Sher Ali Afridi.

**15. Lord Ripon 1880 – 1884**

- He is known as the father of Indian Census.
- 1881 – नियमित जनगणन की शुरूआत करवाई।
- 1882 – He started Local Governence in India (स्थानीय स्वशासन)
- 1881 – First Factory Act and as per this act he prohibited child labour.

**16. Lord Dufferin 1884 – 1888**

- 1885 format of congress by A.O. Hume.

**17. Lord Curzon (1899 – 1905)**

- यह भारत का सबसे अप्रिय वायसराय था।
- यह एक पुरातात्विक भी थी।
- 1904 – Foundation of Public Service Commission.
- 1904 – Foundation of Natural Disaster Commission.
- 1905 – Foundation of Arcelogical servey of India.
- 1905 – Pantition of Bengal.

**18. Lord Minto – II (1905 – 1910)**

- 1906 – Foundation of Muslim leage by Aaga khan.
- 1907 – Split of Congress in Surat session.
  President of that session – Ras Bihari Ghosh.
- 1909 – Marley – Minto Refarms Act.

**19. Lord Harding – II (1910-1916)**

- 1911 – British King – George V – Arrived in India.
  Getway of India.
- रविन्द्र नाथ टैगोर ने 'जन–गण–मन' लिखा।
- कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में सबसे पहले गाया गया था।
  अध्यक्षता – Bishan Narayan Dar.
- दिल्ली दरबार लगाया गया।

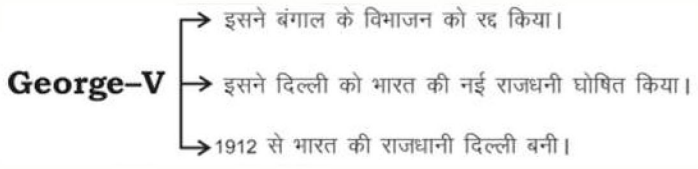


- 1912 में हुआ – हार्डिंग बम कांड
- Lord Handing II पर बम फेका गया।
  राजबिहारी बोस ने फेका था।
- 1913 में रविन्द्रनाथ टैगोर को – Knighthood सम्मान दिया गया।
- 1913 में रविनद्र नाथ टैगोर की रचना गीतांजलि के लिए इन्हें नोबल पुरस्कार मिला था।
- 9 जनवरी, 1915 गाँधी जी South Africa से वापस लौटे।

**20 Lord Chelmsford (1916-1921)**

- 1916 – में मदनमोहन मालवीय ने बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- 1916 – महात्मा गाँधी ने साबरमती आश्रम की स्थापना की।
- 1917 – भारत में गाँधी जी का प्रथम आंदोलन

**चम्पारण सत्याग्रह (किसान आंदोलन) बिहार**

- इसी आंदोलन के दौरान रविन्द्र नाथ टैगोर ने गाँधी जी को महात्मा की उपाधि दी।
- **1918– खेड़ा सत्याग्रह**
- महात्मा गाँधी व सरदार भाई पटेल ने नेतृत्व किया।
- 10 अप्रैल, 1919 गाँधी जी को पहली बार पलवल स्टेशन से गिरफ्तार किया।
- 13 अप्रैल, 1919 जलियाँवाला बाग कांड
    - रविन्द्र नाथ टैगोर ने knighthood की उपाधि तथा गाँधी जी ने कैसर–ए–हिन्द की उपाधि वापस लौटा दी थी।
- 1919 – Montegue – chelmsfood Refarm University.
- 1 अगस्त, 1920 गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया।

## 21. Lord Reading (1921-1926)

- 1921 – Prime of wales arrived in India.
- 15 फरवरी – 1922 चौरी–चौरा कांड
  11 फरवरी – 1922 – गाँधी जी ने अपना असहयोग आंदोलन वापस लिया।
- 1923 – Lord Reading ने ICS में लिखित परिता की शुरूआत करवाई।
- 1925 – मोती लाल नेहरू ने स्वराज पार्टी की स्थापना की।
- 1925 – काकोरी कांड

## 22. Lord Irwin 1926-1931

- 1927 – Foundation of Delhi & Nagpur Universities.
- 1928 – भारत में साइमन आयोग का आगमन हुआ।
  इसी के विरोध में लाला लाजपत राय की मृत्यु लाहौर में हुई।
- 1928 में M.L Nehru ने Delhi में अपनी Nehru Report पेश की।
- 1929 – भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के द्वारा सान्डर्स की हत्या।
- 1928 – बारदोली सत्याग्रह
  – सरदार वल्लभ भाई पटेल नेतृत्व कर रहे थे।
- 1929 – भगत सिंह के द्वारा National Assembly में बम फेंका गया।
  – और इनकलाब जिन्दाबाद का नारा दिया।
  – मोहम्मद इकबाल ने दिया था।
  – इसमें बटुकेशवर दत्त ने भगत सिंह की मदद की थी।
- 12 मार्च, 1930 डांडी मार्च
- नवम्बर, 1930 – लंडन में प्रथम गोल मेज सम्मेलन
- 5 मार्च 1931 – गाँधी–इरविन समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
- 23 मार्च, 1991 – को भगतसिंह राजगुरू और सुखदेव को लाहौर सेन्ट्रल जेल में फाँसी दी गयी।

## 23. Lord Willington (1931 – 1936)

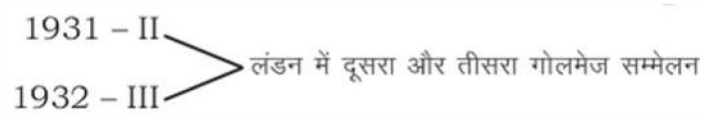


- 1933 – चौधरी रहमत अली ने पाकिस्तान शब्द दिया।
- 1935 – Government of India Act.

**24. Lord Lin Lithgo (1936 – 1944)**

- 1936 – भारत में प्रथम बार चुनाव हुए। जो प्रांतीय विधानसभा के चुनाव थे।
- 1939 – सुभाष चन्द्र बोस – ने फारवर्ड ब्लाक पार्टी की स्थापना की।
- 1940 – अगस्त प्रस्ताव भारत आया।
- 1940 – में पाकिस्तान की माँग मुस्लिम लीग के द्वारा कराची अधिवेशन में की गई।
- 1942 – Crips Mission
- 1943 – सुभाष चन्द्र बोस ने गाँधीजी को राष्ट्रपिता कहा।

**25. Lord Wavell (1944-1947)**

- 24 अक्टूबर, 1945 – UNO का गठन
- 1946 – Cabinet Mission Plan
- 1946 – संविधान सभा की प्रथम निर्वाचन
- 1946 – मुस्लिम लीग ने नारा दिया–
  "विभाजन करो और जाओ"

**26. Lord Mountbatten (1947–1948)**

- यह भारत का अंतिम एवं स्वतंत्र भारत का पहला गवर्नर जनरल था।
- 1947 – Indian Independence Act.

**Chakravati Rajgopalachari (1948–1950)**

- यह प्रथम भारतीय G.G. थे।
- इन्हें राजाजी एवं आधुनिक भारत का चाणक्या कहा जाता है।
- यह अंतरिम सरकार में शिक्षा मंत्री थे।
- 24 जनवरी, 1950 – President – (U.S.A से)
  24 जनवरी, 1950 – Dr. Rajendra Prasad President
- इन्हें राजनीति के लिए 1954 में भारत रत्न सम्मान दिया गया।

**Bharat Ratna**

- Art, Politics, Education, Social Work
- Only 3 person in a year.
  1st Bharat Ratna – S. Radhakrishnan
  2nd Bharat Ratna – C. Rajgopalachari
  3rd Bharat Ratna – C.V. Raman